मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 09 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ कृष्ण पक्ष 10 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 295 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ गैर-शैक्षणिक दायित्वों के बोझ तले शिक्षा व्यवस्था

काजल अग्रवाल ने कहा- बेटे के नजरिया से चुनती हूं फिल्म ◂◂ 6

मां ने दो बेटियों को कुएं में फेंका, दोनों बच्चियों की मौत, खुद भी लगाई छलांग

- पति से झगड़े के बाद महिला ने उठाया दर्दनाक कदम
- तीन बेटियां होने की वजह से परिवार करता था प्रताड़ित

संवाददाता

पलामू: जिले के नावाबाजार में एक महिला ने अपनी दो बेटियों को कुएं में फेंक दिया, फिर खुद भी कुएं में छलांग लगा दी। इस घटना में दोनों बेटियों की मौत हो गई। वहीं महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना नावाबाजार थाना क्षेत्र के कंडा गांव की है।

सरिता देवी नाम की एक महिला ने अपने पति से झगड़े के बाद अपनी दो बेटियों को कुएं में फेंक दिया। फिर उसने तीसरी बेटी को भी फेंकने की कोशिश की, लेकिन वह बच्ची भाग निकली। दोनों बेटियों को कुएं में फेंकने के बाद, सरिता देवी खुद भी उसमें कूद गई। इस घटना में दोनों बेटियों की मौत हो गई।

दरअसल, बुधवार रात सरिता देवी और उसके पति छोटेलाल प्रजापति के बीच हुए झगड़ा हो गया था। झगड़े के दौरान किसी बात को लेकर, सरिता देवी ने अपनी सास की गोद में खेल रही एक बेटी को छीन लिया और कुएं में फेंक दिया। इसके बाद उसने दूसरी बेटी को भी कुएं में फेंक दिया। वह तीसरी बेटी को भी कुएं में फेंकने ही वाली थी कि बच्ची

भाग निकली। इसके बाद सरिता देवी खुद कुएं में कूद गई। बच्ची और परिजनों के शोर मचाने पर सरिता देवी को कुएं से बाहर निकाला गया। वहीं दोनों बच्चों के शव बरामद किए गए।

ग्रामीणों के अनुसार, सरिता देवी और छोटेलाल प्रजापति के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। तीन बेटियां होने के कारण सरिता देवी को ताने मारे जाते थे और प्रताड़ित किया जाता था। नवाबाजार थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि महिला ने दो बेटियों को कुएं में फेंक दिया था, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। मृतकों, प्रिया कुमारी और डॉली कुमारी के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रेम प्रसंग में युवक की गोली मारकर हत्या

जमशेदपुर : जिले के मानगो थाना क्षेत्र में बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने एक युवक पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गए। मृतक की पहचान राजू उर्फ बच्चा के रूप में हुई है। यह घटना मानगो थाना क्षेत्र अंतर्गत मुंशी मोहल्ला में हुई है। बताया जा रहा है कि अपराधियों ने राजू उर्फ बच्चा पर अचानक अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोली चलने से क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल बन गया। मौके पर कुछ लोगों ने राजू उर्फ बच्चा को टीएमएच पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव का माहौल है। कुछ लोगों का कहना है कि प्रेम प्रसंग में यह गोली चली है। हालांकि आधिकारिक तौर पर अभी कारण साफ नहीं हो पाया है। इधर, सूचना मिलते ही मानगो थाना पुलिस और वरीय पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई है। घटनास्थल पर पहुंचे जमशेदपुर सीटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

एसआईआर ड्यूटी से लौट रहे रोजगार सेवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

खूंटी : प्रखंड में कार्यरत रोजगार सेवक अजय महतो (45) की बुधवार देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव खूंटी-भंडरा मार्ग स्थित बेलाहाथी पुल के पास सड़क किनारे मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल खूंटी सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अजय महतो विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मुरही पंचायत में सरकारी कार्य पूरा करने के बाद मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बेलाहाथी पुल के समीप वे सड़क किनारे गंभीर अवस्था में पड़े मिले। घटना की सूचना पर आसपास के लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरूआती तौर पर मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मौत की परिस्थितियों को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। रोजगार सेवक के परिजनों ने घटना पर संदेह जताते हुए हत्या की आशंका व्यक्त की है। उनका कहना है कि अजय महतो के चेहरे और मुंह के पास मौजूद चोट का निशान सामान्य सड़क हादसे जैसा नहीं बल्कि गोली लगने जैसा दिखाई देता है। परिजनों का यह भी दावा है कि शरीर पर अन्य गंभीर चोटें नहीं मिली हैं, जिससे घटना संदिग्ध लग रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी, खूंटी थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह तथा अन्य पुलिस अधिकारी सदर अस्पताल पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

ममता बनर्जी को बड़ा झटका, ईडी ने कोलकाता में फ्रीज किए टीएमसी के 440 करोड़

एजेंसी

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री रहीं ममता बनर्जी को बड़ा झटका लगा है। ईडी ने टीएमसी से जुड़े तीन अकाउंट फ्रीज कर दिए हैं। इन तीनों अकाउंट में 440 करोड़ रुपए जमा हैं। बताया जा रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की है। एजेंसी ने पार्टी के खातों के जरिए हुए कथित संदेहास्पद लेन-देन और चार्टर्ड विमान के खर्चों की जांच के लिए कोलकाता में कई जगहों पर छापेमारी की। दरअसल, ईडी ने टीएमसी के बैंक खातों से कथित हेरफेर कर एम्ब्रेयर विमान और अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर खरीदे जाने के मामले में

मंगलवार को कोलकाता में कई जगहों पर छापेमारी की थी। अधिकारियों का कहना है कि कोलकाता में करीब पांच ठिकानों पर रेड की गई। इनमें केयरवेल ग्रुप ऑफ कंपनीज के ठिकाने भी शामिल हैं। यह केयरवेल एविएशन नाम से प्राइवेट जेट किराए पर देती है।

अधिकारियों के मुताबिक, एजेंसी की शुरूआती जांच में यह सामने आया है कि अप्रैल 2023 से जून 2026 के बीच टीएमसी के बैंक खातों से करीब 160 करोड़ रुपए केयरवेल एविएशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और उसकी सहयोगी यूनिट के खातों में भेजे गए। इसके बाद कंपनी ने 2023 से 2026 के बीच 82.96 करोड़ रुपए की एक और बड़ी राशि एक नई कंपनी के खाते में डाली। जांच में यह भी बात सामने आई कि इस बड़े अमाउंट में से 112 करोड़ रुपए एम्ब्रेयर लिगेसी 600 कारपोरेट विमान और अगस्ता वेस्टलैंड 109एसपी हेलिकाप्टर खरीदने के लिए इस्तेमाल किए गए।

कर्नाटक में भीषण सड़क हादसा : लॉरी से टकराई कार, 7 की मौत, 2 गंभीर

बेंगलुरु : कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गुरुवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-52 (एनएच-52) पर येल्लापुर थाना क्षेत्र के अराबैल घाट स्थित बालागारा क्रॉस के पास रात करीब 1:30 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार, धारवाड़ से धर्मस्थल और चिकमगलूर की यात्रा पर जा रही एक एमयूवी (मल्टी यूटिलिटी व्हीकल) की सामने से आ रही लॉरी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। हादसे के समय वाहन में चालक समेत नौ लोग सवार थे। घायल दोनों लोगों को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हुबली के केआईएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया। उनका उपचार जारी है। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने बताया कि चालक संजीव कथित तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहा था। इसी दौरान वाहन सड़क की दाईं ओर चला गया और अंकोला की ओर से आ रही लॉरी से आमने-सामने टकरा गया। पुलिस के अनुसार, चालक एक फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ पार्ट-टाइम डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के रूप में भी काम करता था।

बारिश से दिल्ली से केरल तक हाहाकार, मुंबई में उफनीं झीलें, गुजरात में 39 ट्रेनें रद्द, हिमाचल का भी बुरा हाल

एजेंसी

नई दिल्ली :भारत में भीषण गर्मी से राहत लेकर आया मॉनसून अब देशभर में भयंकर विनाश का कारण बनता जा रहा है। राजधानी दिल्ली से लेकर केरल और महाराष्ट्र तक लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कुदरत के इस रौद्र रूप से सड़क से लेकर रेल और हवाई संपर्क तक पर गहरा असर पड़ा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली समेत देश के कई राज्यों के लिए भारी बारिश का रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिससे स्पष्ट है कि आने वाले कुछ दिनों तक आम जनता को इस आसमानी आफत से राहत मिलने के कोई आसार नहीं हैं।

महाराष्ट्र और गुजरात में बाढ़ जैसे हालात, दर्जनों ट्रेनें रद्द और प्रभावितः महाराष्ट्र और गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात को बेहद चिंताजनक बना दिया है। मुंबई में भारी जलभराव के कारण सेंट्रल और वेस्टर्न रेलवे की लोकल ट्रेनें 25 से 30 मिनट की देरी से चल रही हैं, जबकि लंबी दूरी की

ट्रेनों पर भी इसका भारी असर पड़ा है। खराब हालात को देखते हुए गुजरात जाने वाली 39 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, 21 ट्रेनों को बीच रास्ते में ही समाप्त करना पड़ा और 46 ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। भोर घाट क्षेत्र में हुए भूस्खलन के बाद मुंबई-पुणे मार्ग पर रेल सेवा अभी भी प्रभावित है। वहीं, सूरत में 358 मिमी की रिकॉर्ड बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जहां से 3,800 से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मुंबई में ओवरफ्लो हुईं झीलें, टॉर्च की रोशनी में पटरियों पर चले यात्रीः लगातार हो रही झमाझम बारिश के चलते मुंबई को पेयजल उपलब्ध कराने वाली सात प्रमुख झीलों में से तुलसी और विहार झीलें मंगलवार देर रात ओवरफ्लो हो गई हैं। बारिश के कारण उपनगरीय रेल सेवाएं बाधित होने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा गया कि वसई रोड से आगे ट्रेनें बंद होने के बाद यात्रियों को आधी रात मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर जलमग्न पटरियों पर पैदल चलने के लिए मजबूर होना पड़ा। उधर, पालघर जिले के बाढ़ग्रस्त हनुमानपाड़ा गांव में सड़कें डूबने से एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी, जिसके बाद ग्रामीणों ने घर के दरवाजे को ही स्ट्रेचर बनाकर प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला को सीने तक भरे पानी से सुरक्षित बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया।

पुणे में 3 मंजिला इमारत पर गिरा कचरे का पहाड़, वायनाड में भूस्खलन से तबाहीः महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवड़ में भारी बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया, जहां कचरे का एक विशाल ढेर तीन मंजिला इमारत पर गिर गया। इस हादसे में इमारत ढहने से 16 लोग मलबे में दब गए, जिनमें से सात लोगों को बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। वहीं, केरल के वायनाड में सुरंग निर्माण स्थल पर हुए भयानक भूस्खलन के बाद लापता पांच श्रमिकों की तलाश दूसरे दिन भी जारी रही। हादसे में जान गंवाने वाले तीन श्रमिकों के शव रिकवर कर लिए गए हैं, जिन्हें विमान के जरिए उनके गृह राज्यों तक भेजने की व्यवस्था की जा रही है। दिल्ली-एनसीआर में जलभराव से रेंगने लगे वाहन, राजस्थान और हिमाचल का भी बुरा हालः राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मूसलाधार बारिश के बाद सदर बाजार, ग्रेटर कैलाश, बदरपुर, स्वरूप नगर और कुशक रोड सहित कई प्रमुख इलाके पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। सड़कों पर घुटनों तक पानी भरने से धौला कुआं, महिपालपुर, रजोकरी और गुरुग्राम के प्रमुख मार्गों पर भीषण जाम लग गया और यातायात धीमी गति से रेंगने लगा। उधर, राजस्थान के कोटा, अलवर और चित्तौड़गढ़ में भारी बारिश से बाजार डूब गए हैं और रामगंजमंडी में 10 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर में अचानक आई बाढ़ (फ्लैश फ्लड) से गानवी खड्ड नाले पर बना अस्थायी पुल टूट गया है, जिससे कई इलाकों का सड़क संपर्क पूरी तरह कट गया है।

गृह मंत्री अमित शाह ने संभाला मोर्चाः देशभर में मॉनसून से बिगड़े हालातों के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने बुधवार को केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात कर बाढ़ और बारिश की स्थिति की गहन समीक्षा की। गृह मंत्री ने वायनाड भूस्खलन और अन्य हादसों पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए सभी प्रभावित राज्यों को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव आपदा राहत और आर्थिक सहायता मुहैया कराने का पूर्ण आश्वासन दिया है।

सुप्रीम कोर्ट से भी नहीं मिली राहत

सोनू मुंडा हत्याकांड के मुख्य आरोपी विशाल यादव की जमानत याचिका खारिज

मेट्रो रेज

रांची/नई दिल्ली: राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र के चर्चित सोनू मुंडा हत्याकांड के मुख्य आरोपी विशाल यादव को देश की सर्वोच्च अदालत से भी राहत नहीं मिली है। रांची सिविल कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने भी उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस ए अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागु की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया।

यह मामला वर्ष 2025 में होली के दौरान नामकुम रेलवे स्टेशन के समीप स्थित एक सरकारी विदेशी शराब दुकान के पास हुए विवाद से जुड़ा है। शुरूआती कहासुनी के बाद अगले दिन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था।

दो गुटों में हुई थी खूनी झड़पः घटना के अगले दिन जोरार बस्ती के लोग और आसपास के ग्रामीण एकजुट होकर नामकुम खटाल की ओर बढ़े। इसके जवाब में

खटाल पक्ष के लोग भी बड़ी संख्या में जुट गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे और तलवारें चलीं, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

इसी दौरान जोरार बस्ती निवासी आदिवासी युवक सोनू मुंडा पर तलवार से जानलेवा हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल सोनू मुंडा को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। 13 नामजद समेत 150 अज्ञात पर दर्ज हुई थी प्राथमिकीः घटना के बाद नामकुम थाना पुलिस ने मामले में 13 नामजद आरोपियों सहित करीब 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की थी। इस हत्याकांड ने उस समय पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल पैदा कर दिया था।

अब सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी विशाल यादव की जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि फिलहाल उसे न्यायिक हिरासत में ही रहना होगा। मामले की सुनवाई निचली अदालत में जारी है।

भारत के साथ आर्थिक साझेदारी मजबूत करने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे: अल्बनीज

मेलबर्न :ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने गुरुवार को कहा कि उनका देश भारत के साथ आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए व्यापारिक नेताओं और विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर लगातार काम करता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात के बाद अल्बनीज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दोनों नेताओं की एक सेल्फी साझा करते हुए कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया मिलकर अपनी अर्थव्यवस्थाओं को आगे बढ़ा रहे हैं और दोनों देशों के कारोबारों को नए अवसर उपलब्ध करा रहे हैं।

उन्होंने लिखा, हमारे लोगों के बीच मजबूत रिश्तों ने कई सफल कारोबारी साझेदारियों को जन्म दिया है। भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक संबंधों को विस्तार देने के लिए हम व्यापारिक समुदाय और विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम जारी रखेंगे।

गुमला लापता बच्ची केस

सरकार ने हाईकोर्ट को बताया मुख्य आरोपी का नार्को टेस्ट अगस्त में गुजरात मे होगा

मेट्रो रेज

रांचीः गुमला जिले की एक नाबालिग के लापता होने से जुड़े बहुचर्चित हैबियस कॉर्पस मामले में गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने अदालत को अब तक की जांच और की गई कार्रवाई की विस्तृत जानकारी दी। सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि नाबालिग की तलाश तेज करने के लिए राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्रों में पोस्टर प्रकाशित कराए गए हैं। इसके अलावा मामले के मुख्य आरोपी का नार्को एनालिसिस टेस्ट 3 अगस्त से 11 अगस्त के बीच गुजरात में कराया जाना प्रस्तावित है। सरकार ने यह भी जानकारी दी कि आरोपी के नार्को टेस्ट की अनुमति पहले ही संबंधित प्राधिकार से प्राप्त की जा चुकी है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि पिछली सुनवाई में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन में अब तक क्या-क्या कार्रवाई की गई है। अदालत ने मामले में विस्तृत काउंटर एफिडेविट दाखिल करने का भी निर्देश दिया। इस दौरान मामले के जांच अधिकारी भी अदालत में उपस्थित रहे और जांच की प्रगति से अवगत कराया। गौरतलब है कि पिछली सुनवाई में अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव और डीजीपी को व्यक्तिगत रूप से तलब किया था। उस सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने वर्ष 2018 से 2023 के बीच गुमला जिले में पदस्थापित रहे पुलिस अधीक्षकों (एसपी) की कार्यशैली की जांच कराने का भी निर्देश दिया था।

यह हैबियस कॉर्पस याचिका लापता नाबालिग की मां चंद्रमुनि उरांव की ओर से दायर की गई है। मामले की अगली सुनवाई 17 अगस्त को निर्धारित की गई है।

ईरान की शर्तों पर ही खुलेगा होर्मुज स्ट्रेट अमेरिका की धमकियों पर नहीं: गालिबाफ

एजेंसी

मॉस्को: ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने गुरुवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को अमेरिका की धमकियों पर नहीं, बल्कि ईरान की शर्तों पर ही दोबारा खोला जाएगा। प्रेस टीवी के अनुसार, गालिबाफ ने कहा, अमेरिका ने अभी तक यह नहीं सीखा है कि धौंस जमाने और अपनी प्रतिबद्धताएं तोड़ने की अब कीमत चुकानी पड़ती है। मैं स्पष्ट कर दूं कि यदि आप हमला करेंगे, तो जवाबी हमला झेलेंगे। व्यर्थ संघर्ष मत कीजिए, इससे आप और गहरे संकट में फंसेंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य केवल ईरानी व्यवस्था के तहत खुलेगा, अमेरिकी धमकियों से नहीं।

इससे पहले ईरानी मीडिया ने फारस की खाड़ी स्थित अबू मूसा द्वीप तथा ईरान के ईरानशहर, चाबहार, कोनारक, सिरिक, जास्क और बंदर अब्बास शहरों में विस्फोटों की सूचना दी। मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार बंदर अब्बास में वायु रक्षा बलों ने शहर के आसमान में अमेरिकी

लक्ष्यों पर गोलीबारी की।

अमेरिकी सेना ने बुधवार को ईरान पर कई हमले किये थे। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों पर ईरानी हमलों के जवाब में यह कार्रवाई की गयी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बाद कहा कि युद्धविराम अब प्रभावी नहीं रहा। ईरान ने अमेरिका पर दोनों देशों के बीच हुए समझौता ज्ञापन का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए बहरीन और कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए।

अल मायदीन टीवी के अनुसार हवाई हमले की चेतावनी के बीच बहरीन में विस्फोटों की आवाजें सुनी गयीं। बहरीन के गृह मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, सायरन बजा दिया गया है। नागरिकों और निवासियों से शांत रहने तथा निकटतम सुरक्षित स्थान पर जाने का आग्रह किया जाता है।

न्यूज IN ब्रीफ

गर्ल्स हॉस्टल में रात में सोते समय 4 छात्राओं को सांप ने डसा, एक की मौत, 3 गंभीर

लोहरदगा : जिले से एक बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां के एक प्राइवेट बोर्डिंग स्कूल के गर्ल्स हॉस्टल में रात के समय एक जहरीला करैत सांप घुस आया और गहरी नींद में सो रही 4 मासूम छात्राओं को अपना शिकार बना लिया। इस आफत में 13 साल की एक छात्रा की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य छात्राओं की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। इस हृदयविदारक घटना से स्कूल परिसर और छात्राओं के परिजनों में भारी चीख-पुकार और कोहराम मच गया है। रात के अंधेरे में कमरे में घुसा काल, गहरी नींद में सो रही थीं छात्राएं: अधिकारियों और स्कूल प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक, यह खौफनाक घटना मंगलवार रात रोचो महुआटोली स्थित सनवसिरा हायर सेकेंडरी रेजिडेंशियल स्कूल में हुई। रोजाना की तरह सभी छात्राएं रात का खाना खाने के बाद अपने-अपने कमरों में सोने के लिए चली गई थीं। रात करीब 11 बजे, जब सभी बच्चियां गहरी नींद में थीं, तभी एक अत्यधिक जहरीला करैत सांप रात के अंधेरे में चुपके से उनके कमरे में घुस गया और एक के बाद एक चार छात्राओं को डस लिया।

अस्पताल पहुंचते ही एक को डॉक्टरों ने किया मृत घोषित, रिम्स रेफर: सांप के काटने से छात्राओं के अचानक चिल्लाने की आवाज सुनकर स्कूल के शिक्षक और हॉस्टल वार्डन तुरंत कमरे की तरफ भागे। घटना का पता चलते ही आनन-फानन में रात को ही चारों घायल छात्राओं को इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने 13 वर्षीय मासूम छात्रा वर्षा को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल तीन अन्य छात्राओं में से एक फुलमनिया की हालत बेहद नाजुक देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रांची के राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) रेफर कर दिया गया है। बाकी दो छात्राओं का लोहरदगा सदर अस्पताल में गहन इलाज चल रहा है, जहां डॉक्टरों की एक विशेष टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

रिम्स निदेशक ने पूरे परिसर का किया औचक निरीक्षण, दिये कई आवश्यक दिशा- निर्देश

रांची : राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के निदेशक ने अस्पताल के कई विभागों और पूरे परिसर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ चिकित्सा अधीक्षक (एमएस), अपर चिकित्सा अधीक्षक (एएमएएस), उप चिकित्सा अधीक्षक (डीएमएस) समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं, साफ-सफाई, अस्पताल की व्यवस्था और संसाधनों के उपयोग की समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान निदेशक ने हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में ड्यूटी ऑफिसरों की 24 घंटे की ड्यूटी व्यवस्था खत्म कर 8-8 घंटे की तीन शिफ्ट में ड्यूटी लगाने का निर्देश दिया। विभाग में कार्यरत सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की ड्यूटी की भी समीक्षा की गई।

फिजियोथेरेपी विभाग में जलजमाव की समस्या मिलने पर मरीजों की सुविधा को देखते हुए विभाग को फिलहाल आइसोलेशन वार्ड के एक विंग में शिफ्ट करने का फैसला लिया गया। इसके लिए जरूरी सिविल और बिजली से जुड़े काम जल्द पूरा करने, अस्पताल में नए साइनेज लगाने और जलजमाव की स्थायी समस्या दूर करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आइसोलेशन वार्ड के बाहर पड़ी गंदगी और बेकार बिजली के उपकरण हटाने को कहा गया।

पुरानी इमरजेंसी के पास पार्किंग व्यवस्था बेहतर करने, अवैध पार्किंग रोकने और प्रवेश-निकास व्यवस्था सुधारने के निर्देश भी दिए गए। प्लास्टिक सर्जरी विभाग के पास बने वेटिंग एरिया से अनधिकृत लोगों को हटाने और रैन बसेरा की साफ-सफाई व मरम्मत कर उसे सुरक्षा कर्मियों के रहने लायक जल्द तैयार करने को कहा गया। मंदिर परिसर की नियमित सफाई और रैन बसेरा से अस्पताल के मुख्य गेट तक संपर्क मार्ग विकसित करने पर भी जोर दिया गया।

मेडिसिन एक्सटेंशन वार्ड में गलत दिशा बताने वाले साइनेज बदलने, सेंट्रल लैब और आयुष्मान भारत नोडल कार्यालय की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने तथा एनसीडी स्क्रीनिंग कक्ष के पास खाली जगह का मरीजों की सुविधा के अनुसार उपयोग करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के अंत में निदेशक ने सभी अधिकारियों को चिन्हित कमियों को तय समय में दूर करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुविधा, साफ-सफाई, बेहतर अस्पताल प्रबंधन और उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग रिम्स की सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। सभी कार्यों की नियमित समीक्षा भी की जाएगी।

अब हर बुधवार थानों में लगेगा जन शिकायत समाधान शिविर

रांची : आम लोगों की शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रांची पुलिस ने नई पहल शुरू की है। इसके तहत जिले के सभी थानों में प्रत्येक बुधवार ह्यजन शिकायत समाधान कार्यक्रमह्ल आयोजित किया जाएगा। इसकी शुरूआत बुधवार से हुई, जहां पुलिस अधिकारियों ने थानों में पहुंचकर लोगों की शिकायतें सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन लालपुर थाना पहुंचे और फरियादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों को सभी मामलों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट सहित विभिन्न प्रकार की शिकायतें सामने आईं। कार्यक्रम के दौरान एक पारिवारिक विवाद का मामला विशेष चर्चा का विषय रहा। एक बुजुर्ग ने अपनी बहू पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। दोनों पक्षों की बात सुनने पर पता चला कि बुजुर्ग का बेटा बेरोजगार है।

मुख्यमंत्री आज दर्जनभर कंपनियों के साथ करेंगे एमओयू, झारखंड में होगा 1.35 लाख करोड़ का निवेश

संवाददाता

रांची : दिल्ली में झारखंड सरकार की ओर से आयोजित दो दिवसीय नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन का गुरुवार को दूसरा और अंतिम दिन है। झारखंड सरकार ने देश की प्रसिद्ध दर्जनभर कंपनियों के साथ 1.35 लाख करोड़ रुपये के निवेश को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रमुख कंपनियों में जिंदल की तीन (जिंदल स्टील, जिंदल न्यूक्लियर पावर और जिंदल रिन्यूएबल) कंपनियों के साथ अलग-अलग करार होगा। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में रूंगटा माइंस के साथ-साथ रूंगटा संस के साथ भी करार होगा।

खनन और बिजली उत्पादन के क्षेत्र में ये करार महत्वपूर्ण होंगे। टाटा स्टील, अंबुजा सीमेंट और वरुण बेवरेजेज के साथ भी करार की तैयारी की गई है। वरुण बेवरेजेज साफ्ट ड्रिंक बनाने वाली अग्रणी कंपनियों में शामिल है। इसके साथ ही उद्योग विभाग की

दो नीतियों पर भी व्यवसायियों के साथ चर्चा की जाएगी।

झारखंड में अमलगम स्टील कंपनी के साथ करार को लेकर भी मसौदा तैयार कर लिया गया है। गुरुवार को ही कई पर्यटन से जुड़ी कई कंपनियों के साथ झारखंड सरकार के वरीय अधिकारियों की मौजूदगी में एमओयू पर साइन करने की तैयारी है। इसके लिए संबंधित विभागों के सचिव और मंत्री भी नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। झारखंड में हास्पिटैलिटी सर्विसेज को लेकर करार की तैयारी पूरीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य के पर्यटन मंत्री की मौजूदगी में एक दर्जन से अधिक कंपनियों के साथ करार की पूरी तैयारी कर ली गई है। इन कंपनियों में प्रमुख रूप से नेट मैट्रसेज, ईज माई ट्रिप, रडिशन ग्रुप आफ कंपनीज, ओयो रूम्स, अंबुजा, सरोवर होटल, मेयफेयर, एचपीसी, टाटा मोटर्स, वीआरओ हास्पिटैलिटी सर्विसेज आदि कंपनियों के प्रतिनिधियों के पहुंचने की संभावना बताई गई है।

डालसा का गोडाड़ीह में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

मुरी : 90 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम के तहत डालसा द्वारा सिल्ली प्रखण्ड के गोडाड़ीह पंचायत में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कानूनी सेवा प्राधिकरण में न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर एवं सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं न्यायायुक्त, रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव राकेश रौशन की मौजूदगी में पीएलवी शंकर महतो, बंशीधर घटवार, पंकज कुमार महतो, बंशीधर महतो, सुनील कुमार महतो ने लोगों को कानूनी सेवा प्राधिकरण के बारे में जानकारी दी और कहा कि कानूनी सेवा प्राधिकरण भारत में समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने और विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए तैयार किया गया है। भारत में यह व्यवस्था राष्ट्रीय स्तर से लेकर तालुका (जमीनी) स्तर तक एक पिरामिड की तरह काम करती है। उन्होंने इसके राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर, जिला

स्तर, तालुका/अनुमंडल स्तर, सर्वोच्च न्यायालय स्तर पर फोकस की। पीएलवी पंकज कुमार और सुनील कुमार ने कानूनी सेवा प्राधिकरणों का जनादेश और कार्य पर फोकस करते हुए कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का कार्य जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कानूनी सेवा देना, लोक अदालतों का आयोजन करना, कानूनी जागरूकता कर लोगों को जागरूक करना है। डालसा टीम में शामिल सभी पीएलवी ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आयोजित होनेवाली समाधान समारोह विशेष लोक अदालत के बारे में भी लोगों को जानकारी दी। कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों के निस्तारण हेतु दिनांक 21,22 और 23 अगस्त को व्यवहार न्यायालय, रांची में उपस्थित होकर अपने मामले की शीघ्र और सौहाद्रपूर्ण ढंग से समाधान करा सकते है। आगामी 18 सितम्बर को आयोजित होनेवाली चेक अनादरण से संबंधित विशेष लोक अदालत के बारे में जानकारी दी। लता कुमारी ने राष्ट्रीय लोक अदालत पर फोकस करते हुए बताया कि आगामी 12 सितम्बर को व्यवहार न्यायालय, रांची में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा, जिसमें वादकारी अपने वादों का निस्तारण निःशुल्क करा सकते है। अंत में नालसा टॉल फ्री नम्बर - 15100 पर फोकस की गयी तथा पम्पलेट और लिफलेट का वितरण भी किया गया।

एसआईआर में बीएलओ की लापरवाही पर अल्पसंख्यक आयोग सख्त

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से करेगा शिकायत

मेट्रो रेज

रांची : राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान बूथ लेवल ऑफिसरों (बीएलओ) की कार्यशैली को लेकर झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने गंभीर चिंता जताई है। आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि आयोग को कई लोगों से लिखित और टेलीफोनिक शिकायतें मिली हैं कि कई बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराने और हस्ताक्षर कराने के बजाय लापरवाही बरत रहे हैं। शमशेर आलम ने कहा कि आयोग जल्द ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मुलाकात कर इस मामले से अवगत कराएगा और लापरवाही करने वाले बीएलओ के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की मांग करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर वार्ड सदस्यों द्वारा चुनिंदा मतदाताओं को प्राथमिकता देकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि कई पात्र मतदाताओं तक अब भी प्रपत्र नहीं पहुंचे हैं। आयोग के

अनुसार, जांच में बीएलओ की भूमिका भी संदेह के घेरे में सामने आई है। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 7 जुलाई तक रांची जिले के करीब 26 लाख मतदाताओं में से लगभग 10.70 लाख लोगों तक ही गणना प्रपत्र पहुंचे हैं और जिले में अब तक केवल 5.74 प्रतिशत मतदाताओं ने भरे हुए प्रपत्र जमा किए हैं। वहीं, सिमडेगा जिला 24.26 प्रतिशत के साथ सबसे आगे है, जबकि विधानसभा स्तर पर कोलेबिरा सबसे आगे और रांची विधानसभा क्षेत्र महज 2.01 प्रतिशत के साथ सबसे पीछे है। आलम ने कहा कि यदि समय रहते गणना प्रपत्र सभी मतदाताओं तक नहीं पहुंचाए गए और बीएलओ अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाते हैं, तो लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटने का खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान की सफलता पूरी तरह बीएलओ की निष्पक्षता, घर-घर सत्यापन, गणना प्रपत्र के वितरण एवं संग्रह तथा सही डिजिटल अपडेट पर निर्भर करती है। आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखने के लिए सभी बीएलओ से अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील की है।

नगर निगम ने फलदार पौधों का किया वितरण

रांची : पर्यावरण संरक्षण और हरित अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को काँके रोड स्थित सीसीएल डीएवी गांधीनगर स्कूल में रांची नगर निगम और प्रिज्मोलॉइन के संयुक्त तत्वावधान में 100 फलदार पौधों का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में रांची नगर निगम के उप नगर आयुक्त और सहायक नगर आयुक्त का विशेष सहयोग रहा। अतिथियों ने विद्यार्थियों को फलदार पौधे वितरित किए और उन्हें प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सभी विद्यार्थियों ने शपथ ली कि वे अपने-अपने घरों में ह्यएक पेड़ मां के नामह्ल अभियान के तहत पौधे लगाएंगे, उनकी नियमित देखभाल करेंगे तथा रांची को स्वच्छ, हरित और सुंदर बनाने में अपना योगदान देंगे।

जेपीएससी मुख्य परीक्षा 2025 की तिथियों में बदलाव

अब 21, 22 व 23 जुलाई को होगी परीक्षा

संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग ने संयुक्त असैनिक सेवा मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा-2025 की तिथियों में संशोधन करते हुए नया परीक्षा कार्यक्रम जारी किया है। पहले यह परीक्षा 18, 19 और 20 जुलाई 2026 को प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसका आयोजन 21, 22 और 23 जुलाई 2026 को किया जाएगा। आयोग ने बताया कि परीक्षा की तिथियों में बदलाव अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। जेपीएससी के अनुसार, पहले जारी परीक्षा कार्यक्रम का झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की एक महत्वपूर्ण परीक्षा से टकराव हो रहा था। इससे बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थी प्रभावित हो सकते थे, जिन्होंने दोनों प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवेदन किया है। इस स्थिति को देखते हुए आयोग ने परीक्षा तिथियों में संशोधन का निर्णय लिया, ताकि उम्मीदवार बिना किसी असुविधा के दोनों परीक्षाओं में शामिल हो सकें।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि केवल परीक्षा की तिथियों में परिवर्तन किया गया है। परीक्षा प्रक्रिया, प्रश्नपत्र, परीक्षा केंद्र और अन्य सभी प्रशासनिक व्यवस्थाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सभी तैयारियां पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार ही जारी रहेंगी।

जेपीएससी के मुताबिक, इस मुख्य परीक्षा में लगभग

2204 अभ्यर्थी शामिल होंगे। आयोग ने परीक्षा के सफल और सुचारु संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। साथ ही अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित रूप से नजर बनाए रखें और एडमिट कार्ड, परीक्षा केंद्र तथा अन्य महत्वपूर्ण निदेर्शों से संबंधित अपडेट समय-समय पर प्राप्त करते रहें।

आयोग ने कहा कि परीक्षा कार्यक्रम में किया गया यह संशोधन अभ्यर्थियों के हित में लिया गया निर्णय है। इसका उद्देश्य उम्मीदवारों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना, परीक्षा कार्यक्रम के टकराव से बचाना तथा पूरी परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराना है।

हजारीबाग की ट्रैफिक अव्यवस्था पर हाईकोर्ट ने जतायी नाराजगी

मेट्रो रेज

रांची : हजारीबाग शहर की ट्रैफिक अव्यवस्था से जुड़े जनहित याचिका मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधार को लेकर पूर्व में दिए गए आदेशों का पालन नहीं होने पर हजारीबाग के नगर आयुक्त को अवमानना नोटिस जारी किया है।

स्वयं हलफनामा दाखिल नहीं करने पर टिप्पणीः सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद नगर आयुक्त ने स्वयं हलफनामा दाखिल नहीं किया। इसके बजाय एग्जीक्यूटिव इंजीनियर की ओर से हलफनामा दाखिल किया गया, जिसे कोर्ट ने अपने आदेशों की अवहेलना माना।

17 जुलाई तक जवाब देने का निर्देशः

हाई कोर्ट ने नगर आयुक्त को निर्देश दिया है कि वे 17 जुलाई से पहले स्वयं उपस्थित होकर जवाब दें तथा मामले में सप्लीमेंट्री एफिडेविट भी दाखिल करें। मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी।

जनहित याचिका में ट्रैफिक व्यवस्था सुधार की मांगः यह जनहित याचिका अच्युत स्वरूप मिश्रा की ओर से दाखिल की गई है, जिसमें हजारीबाग शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार की मांग की गई है।

सरकारी अस्पतालों में अब नहीं होगी एंटी-रेबीज इंजेक्शन की कमी

एनएचएम ने जारी किया सख्त निर्देश

संवाददाता

रांची : झारखंड के सरकारी अस्पतालों में अब कुत्ता या अन्य जानवरों के काटने पर दी जाने वाली एंटी-रैबीज वैक्सीन (एआरवी) की कमी नहीं होगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में हर वक्त एंटी-रैबीज इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करने का बड़ा फैसला लिया है। विभाग ने सभी जिलों को कड़े निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने-अपने अस्पतालों की मासिक खपत के अनुसार कम से कम तीन महीने का एडवांस बफर स्टॉक अनिवार्य रूप से अपने पास सुरक्षित रखें। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि जैसे ही दवाओं का स्टॉक कम होने लगेगा, संबंधित जिले के सिविल सर्जन बिना देरी किए तुरंत नई खरीद की प्रक्रिया शुरू कर देंगे ताकि मरीजों को खाली हाथ न लौटना पड़े। एनएचएम सभागार में जुटे कई विभागों के अधिकारीः इस महत्वपूर्ण और संवेदनशील मामले को लेकर एनएचएम के आरसीएच कॉम्फ्रेंस हॉल में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कुत्तों के माध्यम से फैलने वाले जानलेवा रेबीज रोग के पूरी तरह खात्मे के लिए कई कड़े निर्देश दिए। इस दौरान खासतौर पर भारत सरकार के राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम की गाइडलाइंस पर विस्तार से चर्चा हुई। इस बैठक

की खास बात यह रही कि इसमें केवल स्वास्थ्य विभाग ही नहीं, बल्कि पशुपालन, नगर निगम, वन विभाग और पंचायती राज जैसे विभिन्न संबद्ध विभागों के प्रतिनिधि भी एक साथ शामिल हुए।

आवारा कुत्तों के नियंत्रण और शेल्टर होम के निर्माण पर गंभीर मंथनः बैठक में केवल इलाज ही नहीं, बल्कि रैबीज की मुख्य वजह यानी आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने मानवीय आधार पर आवारा कुत्तों के नियंत्रण, उनके लिए शेल्टर होम (आश्रय गृह) की व्यवस्था करने और उनके भोजन आदि का उचित प्रबंध करने की योजना पर चर्चा की। इसका मुख्य उद्देश्य सड़कों पर घूम रहे आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने के साथ-साथ उनके प्रति होने वाली क्रूरता को भी रोकना है।

नगर निगम और वन विभाग के दिग्गज रहे मौजूदः इस उच्च स्तरीय बैठक में रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ बीरेंद्र कुमार सिंह, आईईसी सेल से डॉ राहुल किशोर सिंह और रांची नगर निगम के पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ निशांत कुमार सिंह व डॉ नैना कुमारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इनके अलावा पशुपालन निदेशालय से संयुक्त अनुसंधान निदेशक डॉ। शैलेंद्र कुमार सिंह, रिम्स के पीएसएम विभाग के अध्यक्ष डॉ एस सुंदरम, वन विभाग के प्रतिनिधि संजय कुमार सिन्हा, डॉ प्रवीण कर्ण और डॉ जिगीशा श्रीवास्तव सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने राज्य को रैबीज मुक्त बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव साझा किए।

अशोक नगर में एक और बड़ी चोरी

त्रिवेणी बिल्डर के मालिक अखिलेश पांडेय के घर से लाखों की संपत्ति ले उड़े चोर

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के अशोक नगर इलाके में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक बार फिर चोरों ने इलाके के एक प्रतिष्ठित आवास को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। इस बार चोरों ने त्रिवेणी बिल्डर के मालिक अखिलेश पांडेय के आवास में देर रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, देर रात अज्ञात चोर घर में घुसे और नगदी समेत कीमती जेवरात व अन्य सामान लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी गुरुवार सुबह उस समय हुई जब परिवार के सदस्यों ने घर का सामान बिखरा हुआ देखा। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने घर

और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को संदेह है कि चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले अपराधियों ने पहले से इलाके की रेकी की थी। फिलहाल चोरी गई संपत्ति का सटीक आकलन किया जा रहा है, हालांकि शुरूआती अनुमान के अनुसार लाखों रुपये के जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी होने की बात सामने आ रही है।

अशोक नगर जैसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय लोगों में दहशत और नाराजगी का माहौल है। लोगों ने पुलिस गश्ती बढ़ाने और जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर अपराधियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

बिल्डर निशित केशरी के घर में चोरी का प्रयास

खुद की बंदूक से गोली लगने से बॉडीगार्ड घायल

रांची : अरगोड़ा थाना अंतर्गत अशोक नगर में चर्चित बिल्डर निशित केशरी के घर में चोरी का प्रयास हुआ है। इस प्रकरण में लाईसेंसी राइफल और एके-47 से गोली चली है। इस घटना में बॉडीगॉर्ड के दाएं पैर में गोली लगी है। घटना की सूचना मिलने के बाद सिटी एसपी पारस राणा, हटिया डीएसपी नीरज कुमार और अरगोड़ा थाना प्रभारी सतीश गोराई घटनास्थल पर पहुंचे। सिटी एसपी पारस राणा ने कहा कि प्रथम दृष्टया में मामला चोरी की घटना को रोकने के प्रयास से हवाई फायरिंग का लगता है। वहीं, बॉडीगॉर्ड के राइफल से गलती से दूसरी गोली चली, जो उसके पैर की उंगली में लगी है। घर में चोर के घुसने पर हुई फायरिंगः पुलिस के अनुसार चर्चित बिल्डर निशित केशरी के घर में देर रात चोर घुसा था। इस दौरान बिल्डर ने अपने राइफल से हवाई फायरिंग की और बॉडीगार्ड को सूचना दी।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती व ब्लैकमेलिंग के आरोपों के बीच संदिग्ध परिस्थिति में युवती गायब

आरोपी ने अश्लील फोटो वायरल करने की दी धमकी

संवाददाता

रांचीः नामकुम थाना क्षेत्र स्थित खरसीदाग ओपी इलाके से 23 वर्षीय एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। परिजनों का आरोप है कि इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती के बाद एक युवक उसे अश्लील तस्वीरें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा था। मानसिक तनाव से परेशान होकर युवती छह जुलाई को घर से निकल गई। मामले में परिजनों की शिकायत पर खरसीदाग ओपी पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली से लौटकर रांची में बस गया था परिवारः जानकारी के अनुसार, युवती के पिता एक सरकारी विभाग से सेवानिवृत्त हैं। करीब पांच वर्ष पहले उनका परिवार दिल्ली से झारखंड लौट आया था। इसके बाद उन्होंने खरसीदाग क्षेत्र में अपना घर बनाकर स्थायी रूप से रहना

शुरू किया। परिजनों के अनुसार, परिवार में सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन सोशल मीडिया पर हुई एक युवती की इंस्टाग्राम पर एक अज्ञात युवक से पहचान हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी। आरोप है कि बाद में युवक ने युवती को उसकी निजी (अश्लील) तस्वीरें भेजकर उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देनी शुरू कर दिया। साथ ही वह लगातार पैसों की मांग कर युवती को ब्लैकमेल कर रहा था। बताया जा रहा है कि इस मानसिक दबाव और बदनामी के डर से युवती गहरे तनाव में चली गई थी।

मोबाइल घर पर छोड़कर निकली, साथ ले गई आधार कार्डः परिजनों के अनुसार, छह जुलाई को युवती बिना किसी को बताए घर से निकल गई। जाते समय वह अपना मोबाइल फोन घर पर ही छोड़ गई, जबकि आधार कार्ड अपने साथ ले गई। मोबाइल घर पर होने के कारण परिजनों को उससे संपर्क करने या उसकी लोकेशन का पता लगाने में कठिनाई हो रही है।

नकली नोट मामले में पहली बार किसी को मिली सजा

अभियुक्त को सुनाई गयी सात साल जेल की सजा

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड में पहली बार एटीएस को नकली नोट मामले में न्यायालय से आरोपी को सजा दिलवाने में सफलता मिली है। एटीएस के विशेष न्यायाधीश कुलदीप की अदालत ने नकली नोट से जुड़े बहुचर्चित मामले में फैसला सुनाते हुए अभियुक्त राजेश भुइयां को सात साल जेल की सजा सुनायी है।

अभियुक्त पर 10,500 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने राजेश भुइयां को भादवि की धारा 489बीं (किसी जाली या नकली करेंसी नोट को असली जानकर बेचना, खरीदना, प्राप्त करना या उसका इस्तेमाल करना) और 489 सी (कोई व्यक्ति जानबूझकर जाली नोट अपने पास रखता है और उसका इरादा उन्हें असली के रूप में चलाने का होता है) के तहत दोषी पाया था।

क्या है मामलाः यह मामला एटीएस थाना कांड संख्या 01/2019 से जुड़ा है। अभियोजन के अनुसार 30 नवंबर 2018 को रांची रेलवे स्टेशन के पास आरोपी राजेश भुइयां को एटीएस की टीम ने गुप्त सूचना पर पकड़ा था। उसके पास से एटीएस ने 2000 रुपये के 204 संदिग्ध नोट बरामद किये गये। रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड से जब पैसों की जांच कराई गई तो रिपोर्ट में 104 नोट नकली पाये गये थे। बाकि पैसे सही थे। जिसके बाद एटीएस ने पूरे साक्ष्य के साथ न्यायालय में आरोपी के खिलाफ सबूत पेश किए और न्यायालय ने पुख्ता सबूत के आधार पर सजा सुनाया है। बीते कुछ महीने में झारखंड में नकली नोटों की कई बड़ी खेप बरामद की गई है। जुलाई 2026 में असम के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर झारखंड के पाकुड़ जिले के दो तस्करों दयाल दास और गुलाब शेख को 7.37 लाख रुपये के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया गया था। वे गुवाहाटी से नकली नोट लेकर झारखंड में खपाने आ रहे थे।

जुलाई 2026 में रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र में एक युवक को नकली नोटों के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। वहीं अगस्त 2025 में रांची पुलिस ने पटना से बस के जरिए आई 2 करोड़ रुपये के नकली नोटों की बड़ी खेप बरामद की थी। इस मामले में रांची के रातू रोड से मो साबिर और साहिल को गिरफ्तार किया गया था।

दिवंगत पुलिसकर्मियों के 153 आश्रितों की अनुकंपा के आधार पर होगी नियुक्ति

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड पुलिस ने अपने दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों के सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पुलिस मुख्यालय स्तरीय अनुकंपा समिति ने कुल 153 आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति देने की मंजूरी दी है। यह निर्णय पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के विशेष निर्देश पर लिया गया है।

पुलिस मुख्यालय, रांची में 12 मई को एडीजी (मुख्यालय) मनोज कौशिक की अध्यक्षता में अनुकंपा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए और लंबित मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई।

समिति के समक्ष अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े 160 लंबित मामलों पर विचार किया गया। सभी मामलों की नियमानुसार जांच के बाद 153 मामलों को स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं चार मामलों को तकनीकी एवं प्रशासनिक कारणों से फिलहाल लंबित रखा गया है, जबकि तीन मामलों को निर्धारित पात्रता पूरी नहीं होने के कारण अस्वीकृत कर दिया गया। समिति की स्वीकृति के अनुसार कुल 153 आश्रितों की नियुक्ति विभिन्न पदों पर की जाएगी। इनमें 66 आरक्षी, 62 बाल आरक्षी, 24 महिला आरक्षी तथा एक अग्नि चालक के पद शामिल हैं। झारखंड पुलिस का मानना है कि यह पहल दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ-साथ उनके भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

रिम्स की जमीन खरीद-बिक्री का मामला

आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका पर 20 जुलाई को होगी सुनवाई

मेट्रो रेज

रांचीः रांची के रिम्स में लगभग 7 एकड़ अधिग्रहित जमीन की फर्जीवाड़े के जरिये खरीद-बिक्री करने के आरोपी सोनू कुमार शरण की अग्रिम जमानत याचिका पर रांची एसीबी कोर्ट में सुनवाई हुई। पिछले सुनवाई के दौरान अदालत ने एसीबी को केस डायरी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था जिसके बाद एसीबी ने कोर्ट को केस डायरी सौंप दी है। अब कोर्ट केस डायरी के अवलोकन के बाद सोनू शरण की अग्रिम जमानत याचिका पर 20 जुलाई को सुनवाई करेगा।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला फर्जी वंशावली बनाकर सरकारी जमीन बेचने से जुड़ा है, जिसमें 16 सरकारी अधिकारी-कर्मचारी भी एसीबी की रडार पर हैं। झारखंड हाईकोर्ट के सख्त आदेश के बाद यह जांच की जा रही है। एसीबी ने अब तक इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन से ज्यादा मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक की जांच में यह खुलासा हुआ है कि भू-माफियाओं ने 1964-65 में अधिग्रहित रिम्स की जमीन को फर्जी दस्तावेजों के सहारे निजी संपत्ति बताकर बिल्डरों को बेचा था।

झारखण्ड सरकार
कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), हजारीबाग
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग

किसान भाईयों के लिये आम सूचना

झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना :–
प्रोत्साहन राशि 3000/– रूपये प्रति एकड़ अधिकतम 15,000/– रूपये पाँच एकड़ तक के लिए
योजना अंतर्गत आने वाले मोटे अनाज (मिलेट्स) :–
मड़ुवा/रागी, ज्वार, बाजरा, कंगनी, सावाँ, कोदो, चीना, कुटकी एवं चौलाई
योजना में शामिल होने की प्रकिया :–
मिशन वेबपोर्टल www.jharkhandmilletmission.gov.in अपने नजदीकी प्रज्ञा केन्द्र में निबंधन करा सकते है।
पंजीकरण हेतु आवश्यक सूचनाएँ एवं दस्तावेज :–
1. आधार कार्ड 2. आधार संबद्ध मोबाईल नंबर 3. आधार संबद्ध बैंक खाता विवरण 4. अद्यतन भू-स्वामित्व प्रमाण पत्र अथवा राजस्व रसीद 5. वंशावली (मुखिया/ग्राम प्रधान/राजस्व कर्मचारी /अंचल अधिकारी द्वारा निर्गत) 6. घोषणा पत्र (रैयत/बटाईदार द्वारा) 7. बटाईदार किसान का सहमति पत्र 8. पंजीकृत किसानों के चयनित फसल एवं बुवाई के रकबा का पूर्ण विवरण ।
योजना में शामिल होने की पात्रता :–
1. सभी रैयत एवं बटाईदार किसान।
2. किसान झारखण्ड राज्य के स्थायी निवासी हो एवं आयु 18 वर्ष से अधिक हो।
3. किसान का अपना वैध आधार नंबर, मोबाईल नंबर एवं बैंक पासबुक होना चाहिए।
4. आवेदन हेतु प्रज्ञा केंद्र (CSC) द्वारा मात्र 40/– रू. सेवा शुल्क लिया जाएगा।
अधिक जानकारी के लिए अपने प्रखण्ड के प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी (BAO)/प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक (BTM) /सहायक तकनीकी प्रबंधक (ATM)/जनसेवक /जिला कृषि कार्यालय, हजारीबाग से संपर्क कर सकते हैं।
जिला कृषि पदाधिकारी
–सह–परियोजना निदेशक,
आत्मा, हजारीबाग (झारखण्ड
PR 384460 Agriculture(26-27)#D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(गव्य विकास प्रभाग) जिला गव्य विकास कार्यालय,सिमडेगा

दुधारू पशुपालकों के लिए आम सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में सिमडेगा जिला के दुधारू पशुपालकों के लिए प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, धुर्वा, राँची स्थित दुधारू पशु प्रबंधन एवं पशु पोषण विषयक छः दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण हेतु मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के चयनित लाभुकों/डेयरी में दुध आपूर्तिकर्ता सदस्यों/JSLPS महिला समूह के सदस्य एवं अन्य दुधारू पशुपालकों से अनुरोध है कि प्रशिक्षण, प्रसार एवं कौशल विकास योजना अन्तर्गत निम्न वर्णित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने हेतु कार्य दिवस में आवेदन पत्र आमंत्रित/प्राप्त किया जा सकता है।
प्रशिक्षण कार्यक्रम की विवरणी :–

क्रं	दिनांक	OSP		TSP		SCSP		कुल
		पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	
1	29.07.2026 to 03.08.2026	3	3	12	13	4	3	38
2	19.08.2026 to 24.08.2026	3	3	12	13	4	3	38
3	16.09.2026 to 21.09.2026	3	3	12	13	4	3	38
4	23.09.2026 to 28.09.2026	3	3	12	13	4	3	38
5	07.10.2026 to 12.10.2026	3	3	12	13	4	3	38
6	14.10.2026 to 19.10.2026	3	3	12	13	4	3	38
7	25.11.2026 to 30.11.2026	3	3	12	13	4	3	38
8	02.12.2026 to 07.12.2026	3	3	12	13	4	3	38
9	03.02.2027 to 08.02.2027	3	3	12	13	4	3	38
10	10.02.2027 to 15.02.2027	3	3	12	13	4	3	38
कुल योग :–		30	30	120	130	40	30	380

शर्तें :–
➢मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत् चयनित लाभुकों को प्राथमिकता दी जाएगी
➢प्रशिक्षणार्थियों को अपने पास आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की मूल प्रति साथ रखना आवश्यक है।
➢प्रशिक्षणार्थियों को अपने साथ बच्चा को लेकर प्रशिक्षण संस्थान जाना वर्जित है।
➢प्रशिक्षणार्थी गंभीर रोग, अवसाद, मानसिक इत्यादि रोग से ग्रसित न हों।
➢प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों के लिए भोजन एवं आवास की व्यवस्था निःशुल्क होगी।
➢प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दैनिक भत्ता रू0 200/– प्रतिदिन एवं आने–जाने का मार्ग व्यय का भुगतान प्रशिक्षणार्थियों के बैंक खाता में प्रशिक्षण पश्चात् प्रशिक्षण संस्थान, राँची द्वारा किया जाएगा।
जिला गव्य विकास पदाधिकारी
सिमडेगा
PR 384374 (Simdega)26-27*D

होपवेल हॉस्पिटल में दो महिलाओं की जटिल सर्जरी सफल, 14 किलो का निकाला ट्यूमर

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी के कर्बला चौक स्थित होपवेल हॉस्पिटल में जटिल व असाध्य रोग से पीड़ित दो महिला मरीजों की सफल सर्जरी कर चिकित्सकों की टीम ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। गुरुवार को अस्पताल में आयोजित प्रेस वार्ता में वरिष्ठ सर्जन डॉ शाहबाज आलम ने इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बोकारो निवासी साजिया खातून की ओवरी में सिस्ट विकसित हो गया था, जिसके कारण रक्त की गांठ बन चुकी थी और कैंसर होने की आशंका भी बढ़ गई थी। मरीज की बच्चेदानी में लगभग छह सेंटीमीटर का ट्यूमर था, जिससे शरीर में कई प्रकार की जटिलताएं उत्पन्न हो रही थीं। डॉ। आलम ने कहा कि यदि समय पर ऑपरेशन नहीं किया जाता तो ट्यूमर के पेट में फटने का खतरा बना हुआ था। चिकित्सकों ने सफल सर्जरी कर मरीज को पूरी तरह स्वस्थ कर दिया है।

डॉ आलम ने बताया कि ऐसे जटिल रोगों का इलाज समय रहते अनुभवी और कुशल चिकित्सकों से कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में मोटापा, हार्मोनल असंतुलन, अनियमित खान-पान और अव्यवस्थित जीवनशैली के कारण इस प्रकार की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने महिलाओं को नियमित व्यायाम

करने, संतुलित आहार लेने और मोटापे से बचने की सलाह दी।

प्रेस वार्ता में मौजूद स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ नेहा अली ने बताया कि साजिया खातून का पूर्व में सिजेरियन ऑपरेशन हुआ था। इसके बाद संक्रमण बढ़ने से उनकी ओवरी में सिस्ट विकसित हो गया था, जिससे स्थिति गंभीर होती जा रही थी। होपवेल हॉस्पिटल में की गई सर्जरी के बाद उनकी तेजी से रिकवरी हुई।

वहीं दूसरी मरीज, रांची के हिंदपीढ़ी निवासी सबीना खातून (70 वर्ष) के पेट में बड़ा ट्यूमर विकसित हो गया था, जिससे शरीर के अन्य अंगों में भी संक्रमण फैलने लगा था। उनकी हालत बेहद गंभीर थी। चिकित्सकों ने जटिल ऑपरेशन कर उनके पेट से लगभग 14 किलो वजन का ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाल दिया। सर्जरी के बाद दोनों महिलाओं को अस्पताल से स्वस्थ होकर छुट्टी दे दी गई।

इस अवसर पर एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ मुकुंद कुमार, अस्पताल के प्रबंधक गुफरान अहमद, चिकित्सकगण एवं पूरी मेडिकल टीम उपस्थित थी। मरीजों और उनके परिजनों ने सफल उपचार के लिए होपवेल हॉस्पिटल की पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रेस वार्ता में दोनों मरीजों के परिजन भी मौजूद थे।

एसडीओ ऑफिस के कर्मी ने पेपर भेजने के नाम पर मांगा रिश्वत, एसीबी ने किया गिरफ्तार

रांची : झारखंड में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में दुमका एसीबी की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सरैयाहाट अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीपी) कार्यालय के एक कर्मी को पांच हजार रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कर्मी की पहचान आनंद कुमार भारद्वाज के रूप में हुई है, जो एसडीओ कार्यालय में कार्यरत है। पेपर भेजने के एवज में मांगा था घूसः जानकारी के मुताबिक, आरोपी आनंद कुमार भारद्वाज ने दास नाम के एक स्थानीय व्यक्ति से एसडीओ कार्यालय से किसी महत्वपूर्ण सरकारी पेपर को आगे बढ़ाने या भेजने के नाम पर रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता इस भ्रष्ट आचरण के खिलाफ था और वह रिश्वत की रकम देने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं था। आरोपी के लगातार दबाव बनाने के बाद पीड़ित ने इसकी लिखित शिकायत दुमका एसीबी टीम से करने का फैसला किया। एसीबी ने जाल बिछाकर किया गिरफ्तारः शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने प्राथमिक स्तर पर पूरे मामले का बेहद गोपनीय तरीके से सत्यापन कराया, जांच और सत्यापन के दौरान यह बात पूरी तरह सच पाई गई कि कर्मी आनंद कुमार भारद्वाज द्वारा काम के एवज में पांच की मांग की जा रही है। मामला सही पाए जाने के तुरंत बाद एसीबी की टीम ने जाल बिछाया। तय रणनीति के तहत जैसे ही शिकायतकर्ता ने गुरुवार को आरोपी कर्मी को केमिकल लगे पांच हजार रुपया दिया, वैसे ही घात लगाकर बैठी एसीबी की टीम ने आनंद कुमार भारद्वाज को रंगे हाथ दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम आरोपी कर्मी को अपने साथ दुमका स्थित कार्यालय ले आई है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।इस कार्रवाई के बाद से सरैयाहाट एसडीओ कार्यालय सहित जिले के अन्य सरकारी विभागों में हड़कंप मच गया है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अडानी प्रकरण भारतीय उद्योग जगत की छवि खराब करने का षड्यंत्र!

वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा आज महत्वपूर्ण हथियार बन चुकी है। ऐसे समय में यदि किसी तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े औद्योगिक समूह पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर आरोप लगाए जाते हैं, तो उसका प्रभाव उस कंपनी के साथ ही उस देश पर भी पड़ता है, जहां से उस कंपनी का सीधा संबंध रहता है। ऐसे में पूरे देश की निवेश छवि, वित्तीय विश्वसनीयता और औद्योगिक प्रतिष्ठा पर पड़ता है। वस्तुतः अडानी समूह से जुड़ा अमेरिकन विवाद भी इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए, क्योंकि हाल के घटनाक्रमों में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा स्वयं अपने मुकदमे के कानूनी आधार, अधिकार-क्षेत्र और साक्ष्यों पर पुनर्विचार करते हुए उसे आगे न बढ़ाने की दलील देना इस बहस को नई दिशा देता है। यह संदेह पैदा होता है कि कहीं यह पूरा प्रकरण सिर्फ इसलिए तो तैयार नहीं किया गया, ताकि भारत की तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति की वैश्विक छवि को प्रभावित किया जा सके।

आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। किंतु यह अनायास नहीं है, पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हो, आत्मनिर्भर भारत का संकल्प हो या वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में बढ़ते कदम, गहरायी से देखें तो इन सभी के पीछे देश के बड़े औद्योगिक समूहों का असाधारण योगदान है। ये उद्योग समूह भारत की आर्थिक शक्ति, रोजगार, नवाचार, निर्यात और आधारभूत संरचना के सबसे मजबूत स्तंभ हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगभग 11.75 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वार्षिक कारोबार दर्ज किया है। अडानी समूह का समेकित कारोबार लगभग 2.92 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच चुका है। आदित्य बिड़ला समूह का वैश्विक कारोबार 65 अरब डॉलर से अधिक है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का वार्षिक राजस्व एक लाख करोड़ रुपये से ऊपर है, जबकि टाटा समूह का वैश्विक कारोबार अनेक लाख करोड़ रुपये तक फैला हुआ है। ओ.पी. जिंदल समूह इस्पात, ऊर्जा और अवसंरचना क्षेत्रों में देश की औद्योगिक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है।

इस तरह से अनेक भारतीय कंपनियों के आंकड़े दिए जा सकते हैं। वस्तुतः ये आंकड़े कॉरपोरेट सफलता के प्रतीक होने के साथ ही भारत के लिए उस आर्थिक सामर्थ्य का प्रमाण हैं जिसने उसे विश्व अर्थव्यवस्था में नई पहचान दिलाई है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद जिस प्रकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अडानी समूह को लेकर माहौल बनाया गया, उससे भारतीय शेयर बाजार में अस्थायी अस्थिरता आई और वैश्विक निवेशकों के बीच अनेक आशंकाएं पैदा हुईं। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई चचाओं ने अडानी समूह के बाजार मूल्य को प्रभावित किया।करोड़ों निवेशकों की पूंजी प्रभावित हुई और भारत के कॉरपोरेट गवर्नेंस पर भी सवाल उठाने का प्रयास किया गया, लेकिन बाद के घटनाक्रमों ने तस्वीर का दूसरा पक्ष भी सामने रखा।

भारतीय नियामक संस्थाओं की जांच, उच्चतम न्यायालय की निगरानी में हुई प्रक्रिया और अब अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा अपने ही मुकदमे के आधार पर गंभीर कानूनी प्रश्न उठाना यह संकेत देता है कि प्रारंभिक आरोपों को जिस प्रकार वैश्विक विमर्श का विषय बनाया गया, वह पूरी तरह निर्विवाद नहीं था। जब स्वयं अभियोजन पक्ष अपने मामले की कानूनी मजबूती पर पुनर्विचार करने लगे, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या शुरूआती नैरेटिव ने भारत की औद्योगिक छवि को आवश्यकता से अधिक नुकसान पहुंचाया?

यहां हम सभी को यह भी समझना होगा कि भारत के बड़े उद्योगपति सिर्फ लाभ अर्जित करने वाले कारोबारी नहीं हैं। वे देश के सबसे बड़े रोजगार सृजक, करदाता और निवेशक भी हैं। रिलायंस, टाटा, अडानी, बिड़ला, जिंदल और एचसीएल जैसे समूह प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों की आजीविका का आधार बने हुए हैं। यही कंपनियां हर वर्ष सरकार को हजारों करोड़ रुपये का कर देती हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण योजनाओं को गति मिलती है।

देश के बंदरगाह, हवाई अड्डे, राजमार्ग, मेट्रो नेटवर्क, ऊर्जा परियोजनाएं, डिजिटल कनेक्टिविटी, दूरसंचार, हरित ऊर्जा, डेटा सेंटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर जैसे भविष्य के क्षेत्रों में भी सबसे बड़ा निवेश इन्हीं उद्योग समूहों द्वारा किया जा रहा है। यदि भारत आज वैश्विक सप्लाई चेन का महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो उसके पीछे इन उद्योगपतियों की दीर्घकालिक निवेश क्षमता और जोखिम उठाने का साहस बहुत अधिक मायने रखता है। वैश्विक निवेशक किसी एक कंपनी को अलग-थलग करके नहीं देखते। वे पूरे देश की नीतियों, नियामक व्यवस्था और कारोबारी वातावरण का आकलन करते हैं। ऐसे में यदि भारत के सबसे बड़े औद्योगिक समूहों में से किसी एक के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक माहौल बनाया जाता है, तो उसका असर विदेशी निवेश, शेयर बाजार, पूंजी प्रवाह और भारत की आर्थिक विश्वसनीयता पर पड़ना स्वभाविक है। भारत आज केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार होने के साथ ही विश्व का उभरता हुआ उत्पादन, नवाचार और निवेश केंद्र बन चुका है। हरित ऊर्जा, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा निर्माण, सेमीकंडक्टर, लॉजिस्टिक्स और आधुनिक अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में भारतीय उद्योग समूह वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यही कारण है कि आज भारतीय कंपनियां दुनिया के अनेक देशों में निवेश कर रही हैं और भारत को वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ा रही हैं। ऐसे समय में किसी भी भारतीय उद्योग समूह पर लगने वाले आरोपों का मूल्यांकन तथ्यों, कानून और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होना चाहिए, न कि पूर्वाग्रहों या अंतरराष्ट्रीय प्रचार के आधार पर। यदि किसी मामले में बाद में स्वयं जांच एजेंसियां अपने शुरूआती रुख पर पुनर्विचार करती दिखाई दें, तो यह आवश्यक हो जाता है कि पूरे घटनाक्रम का मूल्यांकन भी नए तथ्यों के आलोक में किया जाए। क्योंकि किसी एक उद्योग समूह की प्रतिष्ठा पर लगने वाला आघात सिर्फ एक कॉरपोरेट विवाद तक सीमित न रहकर दूरगामी असर छोड़ता है। स्वभाविक तौर पर ऐसे प्रकरणों में इसका प्रभाव भारत की आर्थिक छवि, वैश्विक निवेश वातावरण और विकसित भारत के सपने तक महसूस किया जाता है। यही कारण है कि देश के वेल्थ क्रिएटर्स का निष्पक्ष मूल्यांकन तथ्यों, पारदर्शिता और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होना चाहिए, क्योंकि भारतीय संदर्भों में उनकी सफलता में ही भारत की आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और भविष्य की समृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार है। अब जब अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा अपने मुकदमे के कानूनी आधार और अधिकार-क्षेत्र पर पुनर्विचार करने की बात स्वीकार कर ली गई है, तब हर भारतीय को चाहिए कि वह अपने स्तर पर इससे जुड़ी सभी सच्चाई लोगों के सामने लेकर आएं, क्योंकि बात यहां सिर्फ अडानी संस्थान की नहीं है, वास्तव में भारत के उद्योग जगत की छवि खराब करने का यह वैश्विक षड्यंत्र था! यह स्थापित किया जाना भविष्य में भारत को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में अत्यधिक आवश्यक है।

गैर-शैक्षणिक दायित्वों के बोझ तले शिक्षा व्यवस्था

तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे प्राचीन भारतीय शिक्षा केंद्र केवल ज्ञान के ही नहीं, बल्कि वैश्विक बौद्धिक विमर्श के भी प्रमुख केंद्र थे, जहाँ दुनिया के विभिन्न देशों से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे, क्योंकि भारतीय शिक्षा व्यवस्था ने हमेशा ज्ञान, नैतिकता, चरित्र-निर्माण तथा मानव एवं विश्व-कल्याण के आदर्शों को प्रतिष्ठित किया है।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति और विकास का सबसे महत्वपूर्ण पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा न केवल मनुष्यों के निर्माण का आधार है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक उन्नति का प्रतिबिंब भी होती है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि शिक्षा राष्ट्र की आत्मा होती है। भारत की शिक्षा परंपरा सदियों तक विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत रही है।

प्रो. एस.के. सिंह

तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे प्राचीन भारतीय शिक्षा केंद्र केवल ज्ञान के ही नहीं, बल्कि वैश्विक बौद्धिक विमर्श के भी प्रमुख केंद्र थे, जहाँ दुनिया के विभिन्न देशों से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे, क्योंकि भारतीय शिक्षा व्यवस्था ने हमेशा ज्ञान, नैतिकता, चरित्र-निर्माण तथा मानव एवं विश्व-कल्याण के आदर्शों को प्रतिष्ठित किया है, लेकिन मध्यकाल और विशेषकर औपनिवेशिक काल में भारतीय शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर गंभीर आघात पहुंचाया गया। भारतीय ज्ञान-परंपरा को हानि पहुँचाने के लिए अनेक पारंपरिक शिक्षण संस्थानों को नष्ट किया गया। औपनिवेशिक शासन ने ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित की, जिसमें भारतीय भाषाओं एवं भारतीय ज्ञान-संपदा को कमतर आँकते हुए अंग्रेजी-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया। औपनिवेशिक काल में भारतीय ज्ञान-परंपरा, गुरुकुल व्यवस्था तथा स्वदेशी शिक्षण संस्थानों को जिस सुनियोजित तरीके से कमजोर किया गया, वैसा उदाहरण भारतीय इतिहास के अनेक पूर्ववर्ती कालखंडों में दिखाई नहीं देता। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा के विस्तार के लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों की संख्या तो बढ़ी, विभिन्न आयोग भी गठित किए गए, लेकिन शिक्षा के भारतीयकरण, मातृभाषा में शिक्षण एवं भारतीय ज्ञान-परंपरा के पुनर्स्थापन जैसे विषयों पर ठोस और व्यापक परिवर्तन लंबे समय तक दिखाई नहीं दिया। तत्कालीन सरकारें शिक्षा व्यवस्था में अपेक्षित बुनियादी परिवर्तन करने का साहस ही नहीं जुटा सकीं। परिणामस्वरूप, शिक्षा व्यवस्था काफी हद तक उसी ढाँचे में चलती रही, जिसकी नींव औपनिवेशिक काल में रखी गई थी।

ऐसे परिदृश्य में स्वतंत्रता के लगभग 73 वर्ष बाद, 2020 में एनईपी 2020 के माध्यम से देश को एक बेहद लचीली, समावेशी, बहुलतावादी, प्रगतिशील, छात्र-केंद्रित एवं भारतीयता से ओत-प्रोत शिक्षा नीति मिली, जिसमें भारतीय ज्ञान-परंपरा और मातृभाषा को केंद्र में रखते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें जीवन के लिए तैयार करने पर जोर दिया गया है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार किसी नीति में शिक्षा को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की ठोस पहल की गई है। इसलिए इसे सही मायनों में स्वतंत्र भारत की पहली भारतीय शिक्षा नीति कहा जा सकता है। लेकिन शिक्षकों पर प्रशासनिक एवं गैर-शैक्षणिक कार्यों का बढ़ता बोझ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उसके अपेक्षित परिणामों की प्राप्ति में सबसे बड़ी बाधा नजर आ रहा है।

महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि सांदीपनि और आचार्य चाणक्य जैसे शिक्षकों की परंपरा इसलिए महान नहीं बनी कि वे प्रशासनिक औपचारिकताओं में दक्ष थे, बल्कि इसलिए बनी कि वे अपने शिष्यों के व्यक्तित्व-निर्माण में पूर्णतः समर्पित थे। उनके आश्रमों में शिक्षा का केंद्र-बिंदु गुरु और शिष्य का जीवंत संवाद था, लेकिन वर्तमान समय में शिक्षकों की गैर-शैक्षणिक कार्यों में बढ़ती व्यस्तता के कारण यह संवाद निरंतर कम होता जा रहा है, जिससे शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा मंडराने लगा है।

निरंतर रिपोर्टिंग, पोर्टल प्रबंधन, डेटा अपलोडिंग, निर्वाचन एवं जनगणना संबंधी कार्य, विभिन्न सरकारी सर्वेक्षण, छात्रवृत्ति योजनाओं का संचालन, आधार लिंकिंग, मध्यान्ह भोजन योजना का प्रबंधन, बार-बार माँगी जाने वाली सूचनाओं का संकलन, संस्थान स्तर पर विभिन्न समितियों का गठन एवं संचालन, विशिष्ट व्यक्तियों के कार्यक्रमों में व्यस्तता तथा अनेक गैर-शैक्षणिक दायित्वों के कारण शिक्षकों को अपने मूल दायित्व शिक्षण, अध्ययन एवं शोध के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है।

शिक्षक का कार्य केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं होता; उसके अध्यापन की गुणवत्ता उसके सतत अध्ययन, चिंतन, मनन और आत्मविकास पर निर्भर करती है। इसलिए शिक्षक चौबीसों घंटे अपने दायित्वों का निर्वहन करता है। जो लोग यह मानते हैं कि शिक्षण कार्य समाप्त होते ही शिक्षक अपने दायित्वों से मुक्त होकर पूर्णतः स्वतंत्र हो जाता है, वे शिक्षक के वास्तविक उत्तरदायित्व, उसकी भूमिका की प्रकृति तथा शिक्षा की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया को भली-भाँति नहीं समझते और इसी भ्रांति के कारण शिक्षक पर गैर-शैक्षणिक दायित्वों का अनावश्यक बोझ लादने का समर्थन करते हैं। मानव सभ्यता के इतिहास में ऐसी अनेक नीतियां एवं योजनाएं रही हैं, जिनकी मूल भावना अत्यंत श्रेष्ठ एवं पवित्र रही है, लेकिन उनकी सफलता और अपेक्षित परिणाम काफी हद तक उनके क्रियान्वयन पर निर्भर रहे हैं। देश में 2016 में लागू की गई नोटबंदी इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। नोटबंदी का निर्णय मूलतः काले धन, नकली मुद्रा तथा अवैध आर्थिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उठाया गया एक दूरदर्शी और साहसिक कदम था। नोटबंदी के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा को लेकर न तब कोई संदेह था और न आज है, लेकिन क्रियान्वयन के दौरान उत्पन्न हुई कुछ व्यावहारिक चुनौतियों एवं कठिनाइयों के कारण नोटबंदी से वे अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सके, जिनकी आशा की गई थी। नोटबंदी सरकार का ऐसा निर्णय था, जिसने वैश्विक स्तर पर यह धारणा स्थापित की कि भारत में ऐसा नेतृत्व उभर चुका है, जो केवल लोकप्रिय निर्णयों तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रहित में आवश्यक होने पर कठोर, अप्रिय और चुनौतीपूर्ण निर्णय लेने से भी नहीं हिचकेगा। नोटबंदी की सराहना नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री रिचर्ड थेलर ने भी की थी। इसी प्रकार यदि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होते हैं, तो इसका कारण नीति में कोई कमी होना नहीं, बल्कि क्रियान्वयन की सबसे मजबूत कड़ी शिक्षक का उसके मूल कार्य से विमुख होना होगा। जिस प्रकार एक बेहतर एवं दूरगामी आर्थिक निर्णय, नोटबंदी, के क्रियान्वयन में त्रुटियाँ उसके प्रभाव को सीमित कर सकती हैं, उसी प्रकार एक उत्कृष्ट शिक्षा नीति भी तब तक अपने मूल उद्देश्यों को पूर्णतः प्राप्त नहीं कर सकती, जब तक शिक्षकों को अनावश्यक गैर-शैक्षणिक दायित्वों के बोझ से मुक्त न किया जाए। अब तो ऐसा प्रतीत होने लगा है कि शिक्षा व्यवस्था में भी नौकरशाही की प्रवृत्तियां प्रवेश कर गई हैं, जहाँ शिक्षण की वास्तविक गुणवत्ता और परिणामों की अपेक्षा प्रक्रियाओं, अभिलेखीकरण तथा औपचारिकताओं को अधिक महत्व दिया जाने लगा है।

अब दिल्ली के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा या नई शासन प्रणाली जरूरी

जिस भाजपा के अभियान ने दिल्ली को वापस विधानसभा दिलवाई और नई व्यवस्था के तहत 1993 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में जीत कर सरकार बनाई, उसी भाजपा के 2025 के विधानसभा चुनाव के संकल्प पत्र में पहली बार दिल्ली को पूरा (पूर्ण) राज्य बनाने के सवाल पर चुप्पी दिखी।

दिल्ली की जनगणना के आरंभिक जानकारी के मुताबिक दिल्ली की आबादी दो करोड़ तीस लाख से ज्यादा हो गई है। माना जा रहा है कि यह आंकड़ा ढाई करोड़ तक पहुंच सकता है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की आबादी इतनी ही और होगी, जिसे दिल्ली की ही विस्तारित आबादी माना जाता है। तमाम प्रयास के बावजूद एनसीआर प्लानिंग बोर्ड दिल्ली पर से आबादी का बोझ घटा नहीं पाया। इसके ठीक उलट एनसीआर की आबादी भी रोजगार, व्यवसाय से ले लेकर उपचार आदि हर काम के लिए दिल्ली पर ही निर्भर है। अभी संयोग से दिल्ली नगर निगम, दिल्ली सरकार से लेकर केन्द्र

मनोज कुमार मिश्र

में भी भाजपा की अगुवाई वाली सरकार है। बावजूद इसके दिल्ली में किसी सरकार के पास पूरे अधिकार नहीं हैं। देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली आज भी बहुशासन प्रणाली की दंश झेल रही है।

जिस भाजपा के अभियान ने दिल्ली को वापस विधानसभा दिलवाई और नई व्यवस्था के तहत 1993 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में जीत कर सरकार बनाई, उसी भाजपा के 2025 के विधानसभा चुनाव के संकल्प पत्र में पहली बार दिल्ली को पूरा (पूर्ण) राज्य बनाने के सवाल पर चुप्पी दिखी। 1483 वर्ग किलोमीटर की दिल्ली में आबादी समाने की एक सीमा है। वह भी तब जब दिल्ली की चुनी हुई सरकार के पास काम करने के पूरे अधिकार न हों। जो अधिकार दिल्ली के उप राज्यपाल के पास हैं कायदे में वही अधिकार दिल्ली सरकार के पास होने चाहिए। इसके अलावा पूरे एनसीआर के लिए नई शासन व्यवस्था पर भी प्राथमिकता से बात होनी चाहिए। दिल्ली की बहुशासन प्रणाली की परेशानियों को समझने का इससे बढ़िया उदाहरण नहीं हो सकता है। सालों से दिल्ली में रह रहे एक अध्यापक ने सवाल किया कि दिल्ली के एक जनप्रतिनिधि के बारे में बताएं, जो मेरी कालोनी की हर समस्याओं का समाधान करा पाए। वैसे यह सांसद, विधायक या निगम पार्षद में से किसी के लिए यह संभव है, अगर वैधानिक तरीके से कहा जाए तो यह किसी के लिए संभव नहीं है। केन्द्र सरकार के नियंत्रण वाला दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) वैधानिक कालोनी बनाकर उसे एक निश्चित समय के बाद दिल्ली नगर निगम को सौंप देता है। निगम कालोनी की सड़कें ठीक करने, साफ-सफाई आदि का काम तो करा सकती है लेकिन बिजली (दिल्ली विद्युत बोर्ड) और पानी (दिल्ली जल बोर्ड) दिल्ली सरकार के अधीन है। यह काम दिल्ली सरकार करेगी। मुख्य सड़कें लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) यानी दिल्ली सरकार के अधीन ही है।

कानून-व्यवस्था यानी दिल्ली पुलिस, केन्द्र सरकार के अधीन है। देश की राजधानी दिल्ली का वीआईपी इलाका यानी नई दिल्ली नगर पालिका परिषद(एनडीएमसी) और दिल्ली छावनी इलाका सीधे केन्द्र सरकार के अधीन है। इनके अलावा भी अनेक संस्थाएं स्वशासी हैं और उन पर दिल्ली की किसी सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है। बावजूद इसके अलग-अलग समय में इन संस्थाओं में निर्वाचित प्रतिनिधियों की भागीदारी कराने के लिए जन प्रतिनिधियों को शामिल किए जाने का प्रावधान किया गया है। इन पर नियंत्रण केन्द्र सरकार से नियुक्त नौकरशाहों का ही है। तकनीकी तौर पर दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश होने के चलते केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि के नाते उप राज्यपाल का पद बनाया गया है। बहुशासन प्रणाली में अकसर अधिकारों के लिए टकराव होते रहने पर कुछ साल पहले दोबारा दिल्ली के उप राज्यपाल बने तेजेन्द्र खन्ना ने सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली के मुख्य सचिव, डीडीए उपाध्यक्ष, एनडीएमसी अध्यक्ष, नगर निगम आयुक्त, पुलिस आयुक्त की मौजूदगी को बताते हुए कहा कि दिल्ली में कहां है बहुशासन प्रणाली, सभी तो उनके सामने मौजूद हैं। वास्तविकता यही है कि दिल्ली में आजादी के बाद शासन व्यवस्था पर अब तक प्रयोग ही चल रहा है।

आजादी के बाद पूरी तरह से केन्द्र सरकार के अधीन आयुक्त प्रणाली लागू किया गया। 1952 में कम अधिकारों वाली विधानसभा बनी। उसे 1955 में राज्य पुनर्गठन आयोग ने अनुपयोगी मानकर भंग करने की सिफारिश की। दिल्ली का विकास होने के साथ दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था बदलती गई। 1957 में दिल्ली नगर निगम बना और निगम के पास ही दिल्ली से जुड़े सर्वाधिक विभाग थे।1966 में महानगर परिषद बनी, उससे निगम के अधिकार कुछ कम हुए। 1989 में महानगर परिषद को भंग करके सरकारिया आयोग और बालाकृष्ण कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप 1991 में 69 वें संविधान संशोधन के माध्यम से दिल्ली को सीमित अधिकारों वाली विधानसभा मिली। 1993 में विधानसभा का चुनाव हुए। संविधान तैयार करने वाले नेताओं ने यह तय कर दिया था कि दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश ही रहेगी। विधानसभा बन जाने के बावजूद दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश है। इसके चलते राष्ट्रपति इसके शासक हैं और वे अपने प्रतिनिधि(उप राज्यपाल) के माध्यम से दिल्ली का शासन चलाते केन्द्र सरकार उप राज्यपाल 2021 में संसद में संशोधन करके उप राज्यपाल के अधिकार बढ़ा दिए। वर्ष 1911 में दिल्ली देश की राजधानी बनी। 1915 में यमुनापार के 65 गांव दिल्ली की सीमा में शामिल किए गए। तब से दिल्ली 1483 वर्ग किलोमीटर की बनी हुई है, जबकि आबादी काफी बढ़ गई है। पिछले 17 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली-एनसीआर(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना) को करोड़ों रुपयों की लागत से बनी दो बड़ी सड़कों की सौगात दी और कहा कि आने वाले दिनों में दिल्ली को विकास मॉडल बनाएंगे। इससे पहले भी दिल्ली पर यातायात का दबाव घटाने के लिए मोदी सरकार ने ईस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेस-वे, वेस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे बनवाया। दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली और एनसीआर में 416 किलोमीटर तक बन चुका है। इसके विस्तार का काम जारी है।

दिल्ली मेट्रो से हर रोज यात्रा करने वालों की औसत संख्या पचास लाख से ऊपर है। यह संख्या 70 लाख भी पार कर जाती है। दिल्ली-मेरठ नमो भारत रेल कोरिडोर के बाद दिल्ली- करनाल और दिल्ली- अरवल कोरिडोर बनने वाला है। इनसे यातायात सुगम होने के साथ-साथ इस इलाके का प्रदूषण भी कम होगा। कायदे में जिस रफ्तार से दिल्ली और एनसीआर की राजधानी की आबादी बढ़ रही है, उसमें इसे बचाने और बनाने के लिए नए फैसले लेने होंगे।

जहां घंटियां और चिट्ठियां बनती न्याय की साक्षी

उत्तराखंड की देवभूमि में अनेक ऐसे मंदिर हैं, जिनकी पहचान केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है। अल्मोड़ा के निकट स्थित चितई गोलू देवता मंदिर ऐसा ही एक अद्भुत तीर्थ है, जहां भक्त अपनी फरियाद चिट्ठियों में लिखकर न्याय के देवता के चरणों में रखते हैं। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही आपको लाखों चिट्ठियां घंटियों के साथ बंधी मिलेगी। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना कभी अनसुनी नहीं रहती।

उत्तराखंड को यूं ही देवभूमि नहीं कहा जाता। हिमालय की गोद में बसे इस पवित्र प्रदेश का कण-कण देवी-देवताओं की आस्था से जुड़ा है। यहां स्थित अनेक प्राचीन मंदिर केवल पूजा-अर्चना के केंद्र नहीं, बल्कि लोकविश्वास, संस्कृति और परंपरा के जीवंत प्रतीक हैं। इन्हीं में से एक है अल्मोड़ा से लगभग आठ

किलोमीटर दूर अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ मार्ग पर स्थित चितई गोलू देवता मंदिर, जिसे न्याय के देवता का दरबार कहा जाता है।

कुमाऊं क्षेत्र में गोलू देवता, जिन्हें गोलज्यू या ग्वेल देवता भी कहा जाता है, न्याय के प्रतीक माने जाते हैं। लोगों की अटूट मान्यता है कि यदि किसी व्यक्ति को कहीं से न्याय नहीं मिलता, तो वह गोलू देवता के दरबार में अपनी प्रार्थना रखता है और अंततः उसे न्याय प्राप्त होता है। उत्तराखंड के लोग हैं अपने कुल देवता के रूप में भी पूजते हैं। यही विश्वास इस मंदिर को देश के सबसे अनूठे धार्मिक स्थलों में शामिल करता है।

प्राचीन इतिहास और धार्मिक महत्व

माना जाता है कि चितई गोलू देवता मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में चंद्रवंशी शासकों के एक सेनापति ने कराया था। मंदिर के गर्भगृह में सफेद घोड़े पर सवार, सफेद पगड़ी धारण किए गोलू देवता की प्रतिमा स्थापित है। उनके साथ गौर भैरव स्वरूप भगवान शिव भी विराजमान हैं।

गोलू देवता का स्वरूप

लोकमान्यता के अनुसार गोलू देवता को सदैव श्वेत वस्त्र धारण किए हुए एक तेजस्वी राजपुरुष के रूप में चित्रित किया जाता है। वे सफेद घोड़े पर सवार रहते हैं तथा हाथों में तलवार अथवा धनुष-बाण धारण किए दिखाई देते हैं। उनका यह स्वरूप सत्य, न्याय, साहस और धर्म की रक्षा का प्रतीक माना जाता है।

घंटियों-चिट्ठियों का अद्भुत संसार

चितई गोलू देवता मंदिर की सबसे बड़ी पहचान यहां हजारों नहीं, बल्कि लाखों घंटियां और चिट्ठियां हैं। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही चारों ओर लटकी तांबे और पीतल की घंटियां श्रद्धालुओं की आस्था की कहानी कहती हैं। भक्त अपनी समस्या, मनोकामना या न्याय की गुहार साधारण कागज अथवा स्टांप पेपर पर लिखकर मंदिर में अर्पित करते हैं।

टिप्स

स्वस्थ बचपन के लिए महत्वपूर्ण विटामिन सी

विटामिन सी एक आवश्यक पोषक तत्व है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, आयरन के अवशोषण में सहायता करने और बच्चों के विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है। चूंकि शरीर स्वयं बड़ी मात्रा में विटामिन सी का संश्लेषण या भंडारण नहीं कर सकता, इसलिए बच्चों को यह पोषक तत्व प्रतिदिन अपने आहार के माध्यम से उपलब्ध कराना चाहिए। वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, विटामिन सी कोलेजन के निर्माण में सहायक होता है - जो त्वचा, हड्डियों, उपास्थि, स्नायुबंधन और रक्त वाहिकाओं के विकास के लिए आवश्यक प्रोटीन है। यह एक ऐसा पोषक तत्व भी है जो घाव भरने में सहायक होता है और शरीर में ऊतकों के सामान्य विकास को बनाए रखता है। राष्ट्रीय पोषण संस्थान के अनुसार विटामिन सी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी का सेवन प्रतिरक्षा कोशिकाओं को अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने में मदद करता है, जिससे शरीर को रोगाणुओं से लड़ने में सहायता मिलती है। इसके अलावा, विटामिन सी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। यह पोषक तत्व पौधों से प्राप्त खाद्य पदार्थों से आयरन के अवशोषण को भी बढ़ाता है, जिससे आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया का खतरा कम हो जाता है, जो बच्चों में काफी आम समस्या है। एनआईएच की सिफारिशों के अनुसार, विटामिन सी की दैनिक आवश्यकता है : 1-3 वर्ष की आयु के बच्चे : लगभग 15 मिलीग्राम, 4-8 वर्ष की आयु के बच्चे : लगभग 25 मिलीग्राम व 9-13 वर्ष आयु के बच्चे : लगभग 45 मिलीग्राम।आवश्यक विटामिन सी की अधिकांश मात्रा हरी सब्जियों और ताजे फलों से भरपूर आहार के माध्यम से पूरी की जा सकती है। कई आम खाद्य पदार्थों में विटामिन सी की भरपूर मात्रा होती है और यदि उन्हें सही तरीके से तैयार किया जाए तो वे छोटे बच्चों के लिए उपयुक्त होते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**

न्यूज IN ब्रीफ

मारपीट मामले में प्राथमिकी दर्ज आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के साक्षरता मोड़ के निकट 3 जुलाई को हुई मारपीट की घटना के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। जानकारी के अनुसार सकरीगली निवासी बिन देवी ने अपने पुत्र के साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगाते हुए छोटा पत्थरगढ़ निवासी रोशन मिंज के विरुद्ध जिरवाबाड़ी थाना में शिकायत दर्ज कराई है।थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि बिन देवी के लिखित बयान के आधार पर कांड संख्या 125/26 दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

रेलवे समपार फाटक तोड़ने के आरोप में ट्रैक्टर जब्त चालक फरार

साहिबगंज : मालदा रेल मंडल अंतर्गत तालझारी रेलवे स्टेशन के समीप स्थित रेलवे समपार फाटक को क्षतिग्रस्त करने के आरोप में रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ ने एक ट्रैक्टर जब्त किया है। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर चालक रेलवे के सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हुए समपार फाटक पार करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान रेलवे फाटक से ट्रैक्टर की टक्कर हो गई। जिससे फाटक क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ एवं रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। जब्त ट्रैक्टर पर पौधे लदे हुए थे। जबकि उस पर कोई पंजीकरण संख्या अंकित नहीं मिली। आरपीएफ निरीक्षक गुलाम सरवर ने बताया कि समपार फाटक को क्षतिग्रस्त करने के मामले में अज्ञात ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है। ट्रैक्टर चालक की पहचान नहीं हो सकी है।क्योंकि वाहन पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। इस मामले में रेलवे एक्ट की धारा 153 एवं 160 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं

बरकट्ठा में पायलट योजना के तहत कई लागू होगी योजना: विधायक

बरकट्ठा : प्रखंड के सलैया नदी से खेतों में सिंचाई के लिए लघु सिंचाई प्रमंडल के तत्वावधान में डीएमएफटी मद से लिफ्ट एरिगेशन योजना का शिलान्यास विधायक अमित कुमार यादव ने किया। इस मौके पर विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए हर खेत तक पानी पहुंचे। यह हमारी प्राथमिकता है। यह योजना एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की जा रही है। नदी के पानी को आधुनिक तकनीक के माध्यम से लिफ्ट कर सीधे खेतों तक पहुंचाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट की सफलता के बाद क्षेत्र के गैयपहाड़ी, डोढ़ीया नदी में भी इसी तर्ज पर सिंचाई सुविधा बहाल करने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल सूर्यकुंडधाम में भी सूर्यकुंड नदी में चेकडैम का निर्माण कराकर मीठे पानी को विभिन्न सरकारी भवनों, पार्कों और पेयजल व्यवस्था के लिए लिफ्ट करने की योजना पर कार्य शुरू होगा। मौके पर प्रमुख रेणु देवी, भाजपा मंडल अध्यक्ष सूर्यदेव मंडल, सांसद प्रतिनिधि परमेश्वर प्रसाद साहू, विधायक मीडिया प्रतिनिधि यशराज साहा, रीतलाल प्रसाद, हीरामन प्रसाद, हीरालाल प्रसाद, बुलाकी प्रसाद, महेश प्रसाद, रमन प्रसाद, पोखी प्रसाद, मनोज कुमार, विकास कुमार, राजू प्रसाद, सतीश कुमार, परमानंद कुमार, मन्नू कुमार, छोटीलाल प्रसाद समेत आदि ग्रामीण मौजूद थे।

पूर्व विधायक लोकनाथ महतो की धर्मपत्नी मोलनी देवी का निधन

बड़कागांव : बड़कागांव के पूर्व विधायक लोकनाथ महतो के धर्मपत्नी मोलनी देवी 73 वर्ष का निधन बीती रात्रि को हो गई। बुधवार को बड़कागांव हुरंलगबागी दुमुहान श्मशान घाट में अग्नि संस्कार की गई। मुखाग्नि पति लोकनाथ महतो ने दी। मोलनी देवी अपने पीछे दो पुत्र उपेंद्र कुमार, सत्येंद्र कुमार एवं दो पुत्री सविता देवी, सरिता देवी सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई है। इससे पूर्व आवास से शव यात्रा निकाली गई। शव यात्रा में हजारों गणमान्य लोग एवं ग्रामीण शामिल हुए।

चौपारण में सड़क हादसे में विष्णुगढ़ के ट्रक चालक की मौत

विष्णुगढ़ : जीटी रोड चौपारण के दनुआ घाटी में सोमवार की देर रात हुए सड़क हादसे में विष्णुगढ़ के नवादा निवासी एक ट्रक चालक की मौत हो गई। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद उनका शव उनके पैतृक गांव पहुंचा। इसके बाद परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। बताया जाता है कि नवादा निवासी ट्रक चालक सुरेश साव (59) पिता स्व. तेतर साव ट्रक संख्या सीजी04जेबी-9661 में 05 जून बोकारो जिले के जरंडीह से कोयला लोड कर बनारस जा रहे थे।

06 जून को रात्रि करीब डेढ़ बजे चौपारण के दनुआ घाटी के पास आगे जा रहे अज्ञात ट्रक की लापरवाही से उनका ट्रक उससे टकरा गया। जिससे वे केबिन में ही दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर चौपारण पुलिस के सहयोग से उन्हें ट्रक के केबिन से निकाला गया। प्राथमिक उपचार के लिए एसबीएमसीएच, हजारीबाग के उपरांत उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए परिजन उन्हें श्री निवास हॉस्पिटल डेमोटांड ले गए। जहां मंगलवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

उनकी असामयिक मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। परिजनों के मुताबिक, वे परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी मौत से परिजनों के समक्ष जीवन-यापन और भविष्य का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। बुधवार को नवादा के स्थानीय मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

चौथी जूनियर एवं सब-जूनियर जिला तैराकी चैंपियनशिप 12 जुलाई को

हजारीबाग : हजारीबाग तैराकी संघ के तत्वावधान में चौथी जूनियर एवं सब-जूनियर जिला तैराकी चैंपियनशिप का आयोजन 12 जुलाई (रविवार) को कन्हरी स्थित द अनंता बाय हिल के स्विमिंग पूल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में हजारीबाग जिले के सभी पात्र तैराक भाग ले सकेंगे। संघ ने अधिक से अधिक खिलाड़ियों से इसमें भाग लेने की अपील की है। प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग में पांच आयु समूहों में आयोजित होगी। इसमें समूह-1 (17-18 वर्ष, जन्म वर्ष 2008-09), समूह-2 (15-16 वर्ष, जन्म वर्ष 2010-11), समूह-3 (13-14 वर्ष, जन्म वर्ष 2012-13), समूह-4 (11-12 वर्ष, जन्म वर्ष 2014-15) तथा समूह-5 (8-10 वर्ष, जन्म वर्ष 2016-18) शामिल हैं।

चैंपियनशिप का शुभारंभ सुबह आठ बजे होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी हजारीबाग तैराकी संघ अथवा द अनंता बाय हिल में जाकर पंजीकरण करा सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की छायाप्रति जमा करना अनिवार्य होगा। संघ ने सभी प्रतिभागियों से निर्धारित समय पर प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचने का अनुरोध किया है। जिला चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तैराकों का चयन रांची के होटवार स्थित खेलगांव में आयोजित होने वाली 15वीं झारखंड जूनियर एवं सब-जूनियर तैराकी चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा।

उपायुक्त ने दिए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और खराब सोलर संयंत्रों की जांच के निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त दीपक कुमार दुबे भा.प्र.से. की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में पीएम कुसुम ज़ेडा तथा अन्य सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न योजनाओं के प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल द्वारा बताया गया कि पीएम-सूर्यघर योजना के अंतर्गत जिले में अब तक कुल पाँच लाभुकों के यहाँ सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। उन्होंने अवगत कराया कि लाभुकों द्वारा अपेक्षित अंशदान समय पर जमा नहीं किए जाने के कारण योजना की प्रगति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच सकी है। इस पर उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जागरुकता सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने नोडल पदाधिकारी सोलर को निर्देश दिया कि इस वितीय वर्ष में ज़ेडा को अग्रसारित किए जाने हेतु सभी प्रखंडों के

मुख्य पर्यटन स्थल यथा मोतीझरना, कन्हैया स्थाल, सिंगी दलान, बाराद्वारी इत्यादि पर तत्काल तैयार कर ज़ेडा को भेजा जाए। साथ ही चौक-चौराहो व व्यस्त जगहों पर प्राथमिकता के साथ हाई- मास्क लाईट अधिष्ठापन हेतु सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यपालक पदाधिकारी से प्रस्ताव तत्काल प्राप्त किया जाए। जिसमें यह भी पाया कि जिले के गाँवों में पूर्व में स्थापित ऑफ-ग्रिड सोलर संयंत्रों में से कई वर्तमान में कार्यरत नहीं हैं। इस पर उपायुक्त ने नोडल पदाधिकारी सोलर को निर्देशित किया कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों से इन संयंत्रों की वर्तमान कार्यशील स्थिति की जानकारी प्राप्त करें। यदि कोई संयंत्र संचालन एवं रखरखाव अवधि के दौरान भी खराब पाया जाता है।तो जिला प्रशासन के स्तर से आवश्यक कार्रवाई हेतु ज़ेडा को पत्र प्रेषित किया जाए। बैठक के दौरान मॉडल सोलर विलेज योजना के मूल्यांकन पत्र के अवलोकन के उपरांत उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल को निर्देश दिया कि वे अपने सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता के माध्यम से उधवा प्रखंड की पश्चिमी पलाशगाठी पंचायत अंतर्गत असराउल टोला में स्थापित एवं वर्तमान में खराब पड़े सोलर संयंत्र का स्थलीय निरीक्षण कर विस्तृत जांच प्रतिवेदन तीन दिनों के भीतर समर्पित करें। साथ ही उक्त पंचायत में अधिष्ठापित दो अन्य ऑफ-ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्रों की वर्तमान स्थिति के संबंध में भी प्रतिवेदन समर्पित करें।इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने पूर्व के वर्षों के दौरान जिले में स्थापित सोलर स्ट्रीट लाइट हाई-मास्ट लाइट एवं अन्य सौर प्रकाश व्यवस्था के मरम्मत व अनुरक्षण कार्य हेतु आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर समर्पित करने का भी निर्देश दिया।बैठक में जिला योजना पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता-विद्युत प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई, जिला मृदा संरक्षण पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, डीपीएम,जेएस एलपीएस, नोडल पदाधिकारी सोलर ग्रीन एसोसिएट उपस्थित थे।

अस्मिता खेलो इंडिया साइक्लिंग सिटी में बालिकाओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा

संवाददाता

साहिबगंज : खेल एवं युवा मामले भारत सरकार , नई दिल्ली के निदेश के आलोक में साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और साईं के संयुक्त तत्वावधान में झारखंड साइक्लिंग एसोसिएशन रांची के मार्ग दर्शन में साहिबगंज जिला साइक्लिंग संघ के तत्वाधान में आज जिला में बालिकाओं को खेल के प्रति रुझान, उनके अंदर आत्मबल व खेलों के बढ़ावा को लेकर अस्मिता खेलो इंडिया साइक्लिंग सिटी लीग के आयोजन तीन वर्गों बालिका अंडर 14 वर्ष तक,जूनियर बालिका अंडर 18 वर्ष तक एवं सीनियर महिला ओपन वर्ग के लिए सिदो कान्हु स्टेडियम, साहिबगंज से समाहरणालय परिसर रोड तक आयोजित किया गया। जिसमें कुल 203 बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।साइक्लिंग सीटी लीग तीनों आयु वर्गों का उद्घाटन सार्जेंट मेजर रोहित कुमार दुबे एवं झारखंड साइक्लिंग संघ के संयुक्त सचिव राजेश यादव ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। वहीं विजेता प्रतिभागियों को मेडल, सर्टिफिकेट एवं सहभागिता प्रतिभागियों को भागेदारी सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।इस मौके पर झारखंड साइक्लिंग संघ के सचिव निमाई चौधरी, संघ के कोषाध्यक्ष श्रवण मंडल, अमन कुमार, मिथुन कुमार, अल्का कुमारी, भुवन कुमार,जिला ओलंपिक संघ के सचिव माधव चंद्र घोष, कोच योगेश यादव, अशोक साहनी , खेल शिक्षक बिरेंद्र कुमार साह, सोनेलाल मंडल, अनिल कुमार गुप्ता,जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि कुमार सिंह समेत पुलिस प्रशासन का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

।रिणाम सीनियर ओपन महिला,प्रथम क्रांति कुमारी ,द्वितीय निधि हांसदा ,तृतीय हीरा हेंब्रम, बालिका अंडर 18 वर्ष,प्रथम सोनम कुमारी ,द्वितीय राधिका कुमारी

तृतीय श्रुति कुमारी,बालिका अंडर 14 वर्ष,प्रथम लक्ष्मी कुमारी ,द्वितीय अंजली कुमारी, तृतीय - प्रतिज्ञा कुमारी रही ।

जेएलकेएम पार्टी के जिला उपाध्यक्ष बनाए गए भोला महतो मो.जावेद अख्तर बने जिला महासचिव

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने केंद्रीय कार्यकारी समिति के अनुमोदन के उपरांत साहिबगंज जिला समिति के पुनर्गठन के क्रम में निम्नलिखित पदाधिकारी को विभिन्न पदों पर नियुक्त किया है।जहां इस क्रम में कॉलेज रोड निवासी भोला महतो को जेएलकेएम पार्टी का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है।वही मो.जावेद अख्तर को जिला महासचिव का दायित्व सौंपा गया है।उधर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर भोला महतो ने कहा कि पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह विधायक जयराम महतो के द्वारा जो दायित्व उनके कंधों पर दिया गया है उनका वे बखूबी निर्वहन करते हुए जिले में संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में लगातार कार्य करेंगे।

लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हर नागरिक का वोटर लिस्ट में नाम होना जरूरी : अनुकूल मिश्रा

संवाददाता

साहिबगंज : जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से साहिबगंज नगर के एल.सी.रोड में एस आईआर हेल्प कैंपस का आयोजन किया गया।कैंप का उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के तहत मतदाताओं को सहायता प्रदान करना था।कैंप में बीएलए व कांग्रेस नेताओं ने आम जनता को एसआईआर की जानकारी दी व फॉर्म भरने में मदद की।इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हर नागरिक का वोटर लिस्ट में नाम होना जरूरी है।हम अपनी पूरी कोशिश कर रहे है कि एस आईआर प्रक्रिया में सभी जरूरतमंद को आवश्यक सहयोग प्रदान की जाए। पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को

एसआईआर प्रक्रिया की न सिर्फ जानकारी दे रहे हैं बल्कि उनका फॉर्म भरने में भी सहयोग कर रहे हैं।किसी को भी एसआईआर से संबंधित कोई मदद चाहिए तो कांग्रेस कार्यकताओं से संपर्क कर सहयोग ले सकते हैं।सुबह से ही एस आईआर हेल्प कैम्प में भीड़ लग गई और कैंप में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने पहुंचकर लाभ उठाया।कैम्प में प्रदेश कांग्रेस कोऑर्डिनेटर मुरसलीम खान,प्रदेश कोऑर्डिनेटर अनुकूल मिश्रा,जिला महासचिव सह एसआईआर मास्टर ट्रेनर सरफराज आलम, जिला महासचिव मो सलाउद्दीन,जिला सचिव मो निजामुद्दीन एवं सामाजिक कार्यकर्ता अनवर अली सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष को सम्मानपूर्वक दी गई विदाई

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के बड़ा पचगढ़ स्थित पीएम उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर में बुधवार को बीआरपी-सीआरपी महासंघ के जिला अध्यक्ष मो फैसल अफरोज के नेतृत्व मे विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ.दुगानंद झा और झारखंड अधिविद्य परिषद जैक में स्थानांतरित हुए जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।वहीं नवपदस्थापित जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा का भव्य स्वागत किया गया।समारोह के दौरान महासंघ के पदाधिकारियों ने डॉ. दुगानंद झा एवं कुमार हर्ष के कार्यकाल की सराहना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को

याद किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर दोनों अधिकारियों को अंगवस्त्र पुष्पगुच्छ एवं उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया।वहीं जिले की नई जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा का भी बीआरपी-सीआरपी महासंघ की ओर से अंगवस्त्र एवं बुके देकर स्वागत किया गया।बताया गया कि उर्मिला हांसदा इससे पूर्व बरहेट प्रखंड में शिक्षा विभाग में अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं।उन्हें अब साहिबगंज का जिला शिक्षा अधीक्षक बनाया गया है।कार्यक्रम में बीआरपी-सीआरपी महासंघ के जिलाध्यक्ष फैजल अफरोज, महासचिव अनुज कुमार,कोषाध्यक्ष मो. इंतेखाब आलम,प्रदेश कोषाध्यक्ष अशोक कुमार पाल,उपाध्यक्ष रूपक कुमार मित्रा सहित जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे बीआरपी एवं सीआरपी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट विद्यालय में जिला शिक्षा पदाधिकारी को दी गई विदाई

संवाददाता

साहिबगंज : जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय परिवार, साहेबगंज की ओर से जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, पोखरिया में जिला शिक्षा पदाधिकारी सह क्षेत्रीय उप शिक्षा निदेशक डॉ. दुगानंद झा के सम्मान में भव्य विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार एवं सीमा कुमारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।समारोह में शिक्षा विभाग के पदाधिकारीगण विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य शिक्षक शिक्षिकाएँ एवं कर्मचारियों ने डॉ.झा के शिक्षा क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान,उत्कृष्ट प्रशासनिक नेतृत्व कर्तव्यनिष्ठा अनुशासन,पारदर्शिता एवं समर्पित सेवाओं को भावभीनी श्रद्धा व सम्मान के साथ स्मरण किया।वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ.दुगानंद झा का कार्यकाल शिक्षा की गुणवत्ता विद्यालयों के समग्र विकास और प्रशासनिक दक्षता के लिए सदैव याद किया जाएगा।उनका सरल,सौम्य एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व सभी शिक्षकों एवं कर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा।इस अवसर पर उन्हें प्रशस्ति-पत्र पुष्पगुच्छ स्मृति-चिह्न व अनेक उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। उनके स्वस्थ सुखमय दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामनाएँ व्यक्त की गईं।समारोह में प्रशस्ति-पत्र का वाचन डॉ.मनोज कुमार यादव ने किया, जबकि कार्यक्रम का प्रभावी एवं गरिमामय मंच संचालन मनोहर शर्मा ने किया।कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधक विमल पाण्डेय,शिक्षक ललन कुमार, ज्ञान रंजन, मो.अकरम मेराज, आदित्य कुमार,सर्वेश प्रताप सिंह सहित शिक्षा विभाग के अनेक पदाधिकारी शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पेनेलोप क्रूज ने पति के साथ रिश्ते को लेकर की बात, बोलीं-

मैं अभी भी सीख रही हूं

लॉस एंजिल्स । हॉलीवुड अभिनेत्री पेनेलोप क्रूज ने पति के साथ अपने रिश्ते के अनुभव का साझा किया है। उनका कहना है कि पति जेवियर बार्डेम के साथ उनका रिश्ता सीखने का एक अनुभव रहा है। 'पीपल' मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेत्री पेनेलोप क्रूज ने कहा कि शादी के 15 साल से ज्यादा समय बीतने के बाद भी वह अपने पति जेवियर बार्डम के साथ अपने रिश्ते में 'अभी भी सीख रही हैं'।

52 वर्षीय अभिनेत्री ने अपनी नई फिल्म 'द इनवाइट' के प्रमोशन के दौरान अपने रिश्ते के बारे में बात की। उनका मानना ??है कि ओलिविया वाइल्ड के डायरेक्शन में बनी कॉमेडी फिल्म एक डिनर पार्टी में दो जोड़ों के रिश्तों पर आधारित है। उनका कहना है कि लोगों को ऐसी कहानियां इसलिए इतनी पसंद आती है, क्योंकि बहुत से लोग अपने पार्टनर के बारे में नई-नई बातें पता करते रहते हैं, चाहे वे कितने भी समय से साथ क्यों न हों। उन्होंने मैगजीन से कहा, 'मुझे लगता है कि मैं (अपने रिश्ते में) अभी भी सीख रही हूं, आप जानते हैं? और मैं ऐसे व्यक्ति के साथ हूं जिसे मैं 33 साल से जानती हूं। मैं उस व्यक्ति को सच में जानती हूं, लेकिन बात यह है कि क्या कोई ऐसा दिन आता है जब आप सच में खुद को जान पाते हैं? नहीं। तो अपने पार्टनर के साथ भी ऐसा ही है। अभिनेत्री पेनेलोप क्रूज और 57 वर्षीय उनके पति जेवियर बार्डेम की पहली मुलाकात 1992 में स्पैनिश डार्क कॉमेडी 'जामोन जैमोन' की शूटिंग के दौरान हुई थी। मैगजीन के अनुसार, उनके बीच रोमांटिक रिश्ता तब तक नहीं बना जब तक कि वे 2008 की फिल्म 'विकी क्रिस्टीना बार्सिलोना' के लिए दोबारा साथ नहीं आए। कॉमेडी-ड्रामा के सेट पर बिताए समय को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'हममें से कोई भी पहल नहीं कर रहा था। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे नहीं पता कि हम शर्मीले थे या बहुत ज्यादा प्रोफेशनल बनने की कोशिश कर रहे थे। शूटिंग का आखिरी दिन आ गया और कुछ नहीं हुआ। तो मैंने सोचा, 'अरे यार, बेहतर होगा कि हम ड्रिंक कर लें।' किस्मत से हमारे एक दोस्त ने रैप पार्टी रखी और बस, बाकी तो इतिहास है। भगवान का शुक्र है। ' 2024 में 'जेंटलमैन जर्नल' के साथ एक इंटरव्यू में जेवियर बार्डेम ने कहा कि उनके खास रिश्ते की एक वजह यह है कि वे मशहूर होने से पहले से ही एक-दूसरे को जानते थे। एक्टर ने कहा था, 'हम एक-दूसरे से तब मिले और एक-दूसरे को तब जाना, जब कोई शोर-शराबा नहीं था, सफलता नहीं मिली थी और कोई हमें अलग नजरिए से नहीं देखता था (यानी हम जो अब बन गए हैं) उस वजह से नहीं। बता दें कि पेनेलोप क्रूज और जेवियर बार्डेम अपने रिश्ते को काफी निजी रखते हैं। दोनों ने जुलाई 2010 में बहामास में एक निजी समारोह में शादी की थी। उनके दो बच्चे हैं। बेटे लियो का जन्म 2011 में हुआ था। जबकि बेटी लूना एनसिनास क्रूज का जन्म 2013 में हुआ था।

सुनीता आहूजा के सपोर्ट में उतरीं कश्मीरा शाह

रियलिटी शो अक्सर सिर्फ मनोरंजन ही नहीं बल्कि कई बार कलाकारों की निजी भावनाओं और संघर्षों को भी सामने ले आते हैं। ऐसा ही एक भावुक पल हाल ही में 'लॉक अप सीजन 2' में देखने को मिला, जब सुनीता आहूजा शो में अपना अनुभव साझा करते हुए भावुक हो उठी। ऐसे में अभिनेत्री कश्मीरा शाह ने सुनीता आहूजा के समर्थन में आवाज उठाई। कश्मीरा शाह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह सुनीता आहूजा को गले लगाते हुए दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने सुनीता आहूजा को मजबूत रहने की सलाह दी और कहा कि वह अकेली नहीं हैं। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कश्मीरा ने लिखा, ''मजबूत रहो मामी। आप अकेले नहीं हो। हम सब आपके साथ हैं। किसी को भी आप खुद को कमजोर करने मत दो। आप असली हो, खुद पर भरोसा रखो और जो आपको परेशान कर रहे हैं, उन्हें करारा जवाब दो। आपकी 'डिविल्स एंजेल' आपके साथ है और मैं वादा करती हूं कि कोई भी आपको नीचे नहीं गिरा पाएगा या रुला नहीं पाएगा। मुझे पता है आप जवाब दे सकती हो, लेकिन आप चुप हो, क्योंकि आप बस घर वापस जाना चाहती हो। लेकिन मैं कहती हूं कि वहीं डटी रहो और उन्हें जवाब दो जो आपको परेशान कर रहे हैं। मैं आपसे हमेशा प्यार करती रहूंगी। यह पूरा मामला तब सामने आया जब शो में सुनीता आहूजा को बेहद खराब क्वालिटी का खाना मिला, जिसके बाद वह भावुक होकर रो पड़ीं।

गौरतलब है कि सुनीता आहूजा के शो में आने के बाद से ही वह लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं, खासकर अपनी जीवन को लेकर दिए गए बयानों के कारण। वह अक्सर अपने पति और बॉलीवुड सुपरस्टार गोविंदा के साथ रिश्ते को लेकर खुलकर बात करती नजर आई हैं। पहले भी शो में बातचीत के दौरान सुनीता आहूजा ने कहा था कि वह अपने पति के एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर्स के बारे में लगातार सोचकर अपनी सेहत पर असर नहीं डालना चाहतीं। उन्होंने बताया था कि अब वह अपनी जिंदगी में अपने बच्चों और मानसिक शांति को ज्यादा प्राथमिकता देती हैं। सुनीता ने कहा था, ''अगर ऐसा हुआ भी है तो अब क्या कर सकते हैं... शुरू से ही ऐसा चलता आ रहा है। वह एक बड़े स्टार हैं, इसलिए आप कुछ कह भी नहीं सकते।

'धुरंधर' रणवीर सिंह बॉक्स ऑफिस पर फिर लाएंगे तूफ़ान!

41 साल के हो चुके रणवीर सिंह की अपकमिंग मूवीज का उनके फैन्स बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। जानिए 'धुरंधर' की ऐतिहासिक सफलता के बाद वे किन फिल्मों में दिखेंगे।

बॉलीवुड के धुरंधर स्टार रणवीर सिंह 41 साल के हो गए हैं। 6 जुलाई 1985 को मुंबई पैदा हुए रणवीर 16 साल से फिल्मों में एक्टिव हैं। 2010 में 'बैंड बाजा बारात' से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा और फिर 'गोलियों की रासलीला : राम लीला', 'बाजीराव मस्तानी', 'सिम्बा' और 'धुरंधर' जैसी फिल्मों से दर्शकों के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाई। खासकर 'धुरंधर' फ्रेंचाइजी ने उन्हें बॉलीवुड के सबसे बैंकेबल स्टार्स की फेहरिस्त में खड़ा कर दिया। 'धुरंधर द रिवेंज' के ऑलटाइम ब्लॉकबस्टर बनने के बाद जानिए रणवीर सिंह आगे कौन-सी फिल्मों में नज़र आ रकते हैं...

1. प्रलय

जय मेहता के डायरेक्शन में बन रही '?300 करोड़ के बजट वाली की यह ज़ॉम्बी थ्रिलर फ़िल्म बहुत बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है। इसकी कहानी 'हंगर गेम्स' जैसी तबाही झेल चुकी मुंबई पर आधारित है। इस फ़िल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया में शुरू होगी और इसमें कल्याणी प्रियदर्शन भी अहम भूमिका में होंगी। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है।

2. चंद्रगुप्त मौर्य

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणवीर सिंह एक भव्य ऐतिहासिक फिल्म में महान सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य का किरदार निभाने को लेकर मेकर्स के साथ बातचीत कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य धर कर सकते हैं। हालांकि, यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती प्लान के चरण में है और इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। वहीं, ऐसी भी चर्चाएं हैं कि फिल्म में रणनीतिकार चाणक्य की भूमिका के लिए अक्षय खन्ना का नाम सामने आ रहा है। फिल्म पर अपडेट जल्दी ही सामने आ सकती है।

3.इमॉर्टल्स ऑफ़ मेलुहा

पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रणवीर सिंह लेखक अमिश त्रिपाठी की चर्चित 'शिव ट्रिलॉजी' पर आधारित फिल्म सीरीज में भगवान शिव का किरदार निभा सकते हैं। इस ट्रिलॉजी की पहली किताब 'द इम्मॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' है, जिसमें भगवान शिव को एक ऐसे नायक के रूप में दिखाया गया है, जो एक प्राचीन सभ्यता की तकदीर बदलने के लिए नियत हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि रणवीर सिंह ने इस कहानी के फिल्मी रूपांतरण (एडॉप्टेशन) के अधिकार बड़ी रकम में हासिल किए हैं। हालांकि, इस सौदे की वास्तविक राशि का खुलासा नहीं किया गया है। कहा जा रहा है कि 2028 तक इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है।

4. सिम्बा 2

रणवीर सिंह की 'सिम्बा 2' का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा है। यह 2018 में आई उनकी ब्लॉकबस्टर 'सिम्बा' कीई सीक्वल होगी, जिसका ऐलान डायरेक्टर रोहित शेट्टी खुद कर चुके हैं। उन्होंने अप्रैल 2025 में कहा था कि 'सिम्बा' और 'सूर्यवंशी' (अक्षय कुमार स्टारर) के सीक्वल बनाए जाएंगे। हालांकि, अभी इसे लेकर बहुत बड़ा डेवलपमेंट सामने नहीं आया है।

'बेटे के नजरिए से चुनती हूं फिल्म'

● 'रामायण' पर बोलीं काजल अग्रवाल; मां बनने के बाद काम में बदलाव पर की बात

काजल अग्रवाल के लिए यह साल काफी व्यस्त रहने वाला है। इस महीने उनकी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' रिलीज होने जा रही है, जिसमें वह श्रेयस तलपड़े के साथ नजर आएंगी। वहीं दिवाली पर नितेश तिवारी की 'रामायणः पार्ट 1' भी रिलीज होगी। काम में व्यस्त रहने के बावजूद काजल कहती हैं कि अब वह बहुत सोच-समझकर फिल्में चुनती हैं, खासकर मां बनने के बाद उनकी सोच पूरी तरह बदल गई है।

मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा मुझ पर गर्व करे

एक इंटरव्यू में काजल अग्रवाल ने घर और काम को लेकर बात करते हुए कहा, 'शादी और बच्चे के बाद जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। अब जब मैं कोई प्रोजेक्ट चुनती हूं, तो अपने बच्चे के नजरिए से सोचती हूं। मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा मुझ पर गर्व करे। वह मेरी फिल्म देखे और कहे कि यह मेरी मां का काम है और यह बहुत अच्छा है। इसलिए अब मैं ज्यादा जिम्मेदारी और समझदारी के साथ फैसले लेती हूं।'

मेरा बेटा रामायण का बहुत बड़ा फैन

इसी वजह से 'रामायण' को लेकर उनकी एक्साइटमेंट भी काफी ज्यादा है। फिल्म को लेकर उन्होंने कहा, 'मेरा बेटा रामायण का बहुत बड़ा फैन है। वह रोज घर पर रामलीला करता है और किरदार निभाता है। जब मैंने उसे बताया कि मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं, तो वह बहुत खुश हो गया। मजेदार बात यह है कि उसका फेवरेट किरदार रावण है और मैं फिल्म में उसकी पत्नी मंदोदरी का रोल निभा रही हूं। जब 'रामायण' का पार्ट 2 आएगा, तब वह लगभग 5 साल का होगा और मैंने उससे कहा है कि वह अपनी पहली फिल्म थिएटर में देखेगा।'

'द अलायंस' : सोहेल खान के गले लगकर फूट-फूटकर रोईं नीति टेलर, बोलीं-

जिंदगी ने बहुत ठुकराया है

रियलिटी शो 'द अलायंस' में अभिनेत्री नीति टेलर उस समय इमोशनल हो गईं, जब अभिनेता सोहेल खान ने उन्हें नॉमिनेट कर दिया। नॉमिनेशन के बाद नीति अपने आंसू नहीं रोक पाईं और उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में लगातार ठुकराए जाने के अनुभवों ने उन्हें अंदर से काफी कमजोर कर दिया है। नॉमिनेशन के बाद सोहेल खान ने नीति को समझाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'नीति, मुझे सच में बहुत दुख है। यह बिल्कुल भी पर्सनल नहीं है।' आंसू रोकते हुए नीति ने जवाब दिया, ''मुझे पता है कि किसी न किसी को हर हफ्ते घर जाना होता है। यह एक गेम है और मैं यह बात समझती हूं। मैंने अपनी तरफ से सौ प्रतिशत दिया। लेकिन, मुझे बहुत बुरा लगा। शायद इसलिए भी क्योंकि पिछले कुछ समय से मुझे अपनी जिंदगी में लगातार रिजेक्शन मिल रहे हैं, जिसके चलते अब छोटी-छोटी बातें भी मुझे बहुत चोट पहुंचाती हैं।' नीति को इस तरह टूटता देख सोहेल खान ने उन्हें गले लगाया और भरोसा दिलाया कि शो खत्म होने के बाद भी उनकी दोस्ती बनी रहेगी। उन्होंने कहा, 'तुम मेरी नई दोस्त बनी हो और मैं वादा करता हूं कि यह रिश्ता जिंदगीभर निभाऊंगा। इस दौरान नीति ने कहा, ''मैं पहले कभी इतनी कमजोर नहीं हुई। मेरी जिंदगी में बहुत कुछ हुआ है। अब मुझसे और नहीं सहा जाता।''

इसके बाद नीति ने सोहेल खान को गले लगा लिया, जबकि शो के बाकी कंटेस्टेंट्स यह भावुक पल देखते रहे। सोहेल ने कहा कि उनका फैसला पूरी तरह गेम की रणनीति का हिस्सा था और इसका उनकी निजी दोस्ती से कोई संबंध नहीं था। बता दें कि नीति टेलर टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने 'कैसी ये यारियां,' 'इश्कबाज,' 'गुलाम,' और 'बड़े अच्छे लगते हैं 3' जैसे कई सीरियल्स में काम किया है।

इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से किया संन्यास का ऐलान

भारत के खिलाफ टेस्ट होगा उनके करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच

एजेंसी

नई दिल्ली : इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 35 वर्षीय ब्यूमोंट भारत के खिलाफ शुक्रवार से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के बाद अपने 17 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत करेंगी। लॉर्ड्स में होने वाला यह पहला महिला टेस्ट मैच उनके करियर का विदाई मुकाबला भी होगा। साल 2009 में इंग्लैंड के लिए पदार्पण करने वाली ब्यूमोंट ने अपने करियर में 260 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह इंग्लैंड की ओर से वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा 12 शतक लगाने वाली महिला बल्लेबाज हैं। वह इंग्लैंड की उन केवल दो महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा है। इसके अलावा 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में 208 रन की पारी खेलकर वह महिला टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की पहली दोहरा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बनी थीं। संन्यास की घोषणा करते हुए टैमी ब्यूमोंट ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के हवाले से कहा, ₹करीब 17 वर्षों तक इंग्लैंड के लिए खेलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। जब मैं छोटी बच्ची थी और क्रिकेट से प्यार हुआ था, तब मुझे यह भी नहीं पता था कि इंग्लैंड के लिए खेलना एक विकल्प हो सकता है। आज यह देखकर बेहद खुशी होती है कि खासकर इस गर्मी में कितनी लड़कियां और लड़के क्रिकेट से प्रेरित हुए हैं और हमारे देश में इस खेल ने कितनी लंबी यात्रा तय की है। उन्होंने आगे कहा,₹हम हमेशा चाहते थे कि हम इंग्लैंड की कैप को अगली पीढ़ी तक सम्मान के साथ पहुंचाएं। अब समय आ गया है कि मैं यह जिम्मेदारी अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को सौंप दूं। लॉर्ड्स टेस्ट को लेकर उन्होंने कहा, ₹लॉर्ड्स में होने वाला यह टेस्ट मैच, जो महिलाओं का यहां पहला टेस्ट होगा, मेरे करियर को अलविदा कहने के लिए बिल्कुल सही अवसर है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरा करियर इतना यादगार और खास होगा। ब्यूमोंट महिला क्रिकेट में पेशेवर अनुबंध पाने वाली शुरूआती खिलाड़ियों में शामिल थीं। उन्हें 2015 में पहला केंद्रीय अनुबंध मिला था। इसके दो साल बाद 2017 महिला वनडे विश्व कप में उन्होंने 410 रन बनाकर टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता और इंग्लैंड को घरेलू सरजमीं पर विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगी

टैमी ब्यूमोंट ने स्पष्ट किया कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह रही हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगी। वह फिलहाल द ब्लेज और बर्मिंघम फीनिक्स की ओर से द हंड्रेड सहित अन्य घरेलू प्रतियोगिताओं में खेलती रहेंगी।

आईएसएल 2026-27 फिर पुराने प्रारूप में खेला जाएगा, क्लबों को मिलेंगे पूर्ण व्यावसायिक अधिकार

नई दिल्ली, 08 जुलाई (हि.स.)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2026-27 सीजन अपने पुराने होम एंड अवे प्रारूप में वापसी करेगा। नए सीजन में सभी टीमें अपने घरेलू और बाहर के मुकाबले खेलेंगी, जिसके बाद नॉकआउट चरण आयोजित होगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने बुधवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी आधिकारिक घोषणा की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में एआईएफएफ के अधिकारियों के साथ एफसी गोवा, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। पिछले सीजन में एआईएफएफ की प्रशासनिक और वित्तीय चुनौतियों के कारण लीग की शुरूआत में देरी हुई थी, जिसके चलते प्रतियोगिता को केवल राउंड-रॉबिन प्रारूप में आयोजित किया गया था। एफसी गोवा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रवि पुस्कुर ने कहा, ₹इस बार हमें पूरा सीजन मिलेगा, जिसमें हर टीम अपने सभी घरेलू और बाहर के मुकाबले खेलेगी। पिछले साल की तरह संक्षिप्त प्रारूप नहीं रहेगा। हम एआईएफएफ के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं ताकि लीग को पहले से भी अधिक सफल बनाया जा सके। नई व्यवस्था के तहत आईएसएल के व्यावसायिक अधिकार क्लबों के पास होंगे, जबकि एआईएफएफ प्रशासनिक नियंत्रण और प्रमुख संचालन संबंधी जिम्मेदारियां अपने पास रखेगा। एआईएफएफ के उप महासचिव एम. सत्यनारायण ने कहा, ₹हमारी ओर से इस लीग को एशिया की सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल लीगों में शामिल करने की पूरी प्रतिबद्धता है।

दिल्ली के रोहिणी में चारमंजिला इमारत गिरी तीन की मौत, मलबे से मजदूर को जिंदा निकाला

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-16 में बुधवार शाम एक नवनिर्मित चारमंजिला (ग्राउंड प्लस) इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर को कई घंटों के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मलबे से जिंदा बाहर निकाल लिया गया। पुलिस, एनडीआरएफ, दमकल विभाग और अन्य एजेंसियों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाया। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल ने गुरुवार को बताया कि बुधवार शाम करीब 4:28 बजे पीसीआर पर सूचना मिली कि रोहिणी सेक्टर-16 के जी-4 पॉकेट स्थित मकान नंबर 151-152 में नवनिर्मित इमारत अचानक ढह गई है। सूचना मिलते ही केएन कटजू मार्ग थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहां देखा गया कि पूरी इमारत जमींदोज हो चुकी थी और उसका मलबा सड़क तक फैल गया था। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि निर्माण कार्य के दौरान कुछ मजदूर और अन्य लोग इमारत के भीतर मौजूद थे, जो मलबे में दब गए हैं। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ, दिल्ली दमकल, टीपीडीडीएल और अन्य एजेंसियों की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। भारी मशीनों और आधुनिक उपकरणों की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू किया गया। कई घंटों

तक चले अभियान के दौरान सबसे पहले मजदूर सद्दाम (34) को जिंदा बाहर निकाल लिया गया। घायल अवस्था में उसे तत्काल डॉ. बी.आर. आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। रेस्क्यू अभियान के दौरान मलबे से तीन शव भी बरामद किए गए। मृतकों की पहचान 42 वर्षीय राम, 20 वर्षीय नूरुल हुदा (उर्फ कफे) और 51 वर्षीय राम दुआ के रूप में हुई है। राम स्थानीय निवासी थे और पेशे से दर्जी थे। नूरुल हुदा बहराइच जिले का रहने वाला था और निर्माण कार्य में मजदूरी करता था। वहीं राम दुआ उसी इमारत के मालिक का पिता बताया जा रहा है। तीनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह इमारत हाल ही में बनाई गई थी। हादसे के वक्त उसमें निर्माण से जुड़े कुछ कार्य चल रहे थे। अचानक पूरी इमारत भरभराकर गिर गई, जिससे वहां मौजूद लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया, जिसके बाद पुलिस और अन्य एजेंसियां भी पहुंच गईं। हादसे के बाद पूरे इलाके को सुरक्षा की दृष्टि से घेर लिया गया। देर रात तक मलबा हटाने का काम जारी रहा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसके नीचे कोई अन्य व्यक्ति दबा न रह गया हो। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक रेस्क्यू ऑपरेशन लगभग पूरा हो चुका है, हालांकि एहतियात के तौर पर मलबा हटाने का कार्य जारी रखा गया। पुलिस ने इमारत के निर्माण, नक्शे की मंजूरी, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के पालन की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती तथ्यों के आधार पर संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच के दौरान यह भी पता लगाया जाएगा कि निर्माण में किसी तरह की लापरवाही या नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ। यदि ऐसा पाया जाता है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बांग्लादेश में बारिश से पहाड़ी दरकी, मदरसे पर गिरा मलबा, आठ की मौत

ढाका : दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में तेज बारिश के दौरान एक मदरसे पर दरकी पहाड़ी का मलबा गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें सात छात्राएं और एक शिक्षक शामिल हैं। यह भू-स्खलन बुधवार दोपहर उखिया में ए-3 ब्लाक स्थित रोहिंग्या कैंप-पांच में लड़कियों के हिफ्ज मदरसे में हुआ। हादसे में मदरसे की दीवार ढह गई। हादसे के वक्त करीब 40 बच्चियां कक्षा में मौजूद थीं। प्रोथोम अलो और ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, दमकल विभाग की टीम, आर्म्ड पुलिस बटालियन के जवानों, रोहिंग्या

स्वयंसेवकों व अन्य ने बचाव अभियान चलाकर देरशाम मलबे से 13 लोगों को बाहर निकाला। इनमें से आठ को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि पांच अन्य को गंभीर अवस्था में अस्पतालों में ले जाया गया। शरणार्थी राहत और प्रत्यावर्तन आयुक्त मोहम्मद मिजानुर रहमान ने बताया कि चार पीड़ितों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई और चार अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मारी गई बच्चियों में से दो एक ही परिवार की हैं। अतिरिक्त उप पुलिस महानिरीक्षक सिराज अमीन ने कहा कि मरने वालों में से चार की पहचान राशिदा बेगम (13), उम्मे नेजातुल (13),उम्मे सलमा (12) और उमाइसा बीबी (13) के रूप में हुई है। असरा बेगम (9), बेगम जान (15) और फरेसा बीबी (12) का इलाज कुतुपालोंग फ्रेंडशिप हॉस्पिटल में चल रहा है। 30 छात्राओं को बचा लिया गया है। इस बीच कॉक्स बाजार में बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। बाढ़ का पानी निचले इलाकों में भर गया है। परिवहन संसाधन ठप हो गया है। पूरे जिले में भू-स्खलन का खतरा काफी बढ़ गया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, पिछले दो दिनों में कॉक्स बाजार में भू-स्खलन की घटनाओं में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है। खराब मौसम के कारण चटगांव में भी लोगों की जान गई है। अधिकारियों के अनुसार, रंगुनिया में मंगलवार को एक पहाड़ी का कुछ हिस्सा ढहने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि पंचलाइश पुलिस स्टेशन के तहत रहमान नगर में एक दीवार गिरने से एक युवक की मौत हो गई। सीताकुंड के जंगल सलीमपुर इलाके में बुधवार सुबह मिट्टी के नीचे दबने से 10 महीने के एक बच्चे की मौत हो गई। पंचलाइश के वश्मा हिल में हुए भू-स्खलन में 12 साल की एक लड़की की मौत हो गई। अधिकारियों का कहना है कि अकेले चटगांव शहर में 26 ऐसी पहाड़ियां हैं जो बहुत ज्यादा जोखिम वाली हैं। इनमें से 16 सरकारी और 10 निजी हैं। इन इलाकों में 6,500 से ज्यादा परिवार रहते हैं। चटगांव के जिला उपायुक्त मोहम्मद जाहिदुल इस्लाम मियां ने कहा कि जिला प्रशासन ने जोखिम वाली पहाड़ियों को पांच निगरानी जोन में बांटा है। इसके लिए कार्यकारी मजिस्ट्रेट, सहायक आयुक्त (भूमि) और लगभग 150 स्वयंसेवकों को तैनात किया है। इन इलाकों में मुनादी की जा रही है कि लोग अस्थिर पहाड़ी ढलानों पर न रहें। कॉक्स बाजार में रोहिंग्या परिवारों के लिए अस्थाई राहत शिविर खोले गए हैं। खराब मौसम ने पूरे इलाके में परिवहन व्यवस्था को बाधित कर दिया है।

मप्र: राज्य वित्त आयोग आज जबलपुर में करेगा जनप्रतिनिधियों-अधिकारियों के साथ बैठक

एजेंसी

जबलपुर : मध्य प्रदेश का छठवां राज्य वित्त आयोग आज गुरुवार को जबलपुर प्रवास पर रहेगा। इस दौरान आयोग जिले के जनप्रतिनिधियों एवं संभाग के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करेगा। बैठकों में आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया, सदस्य के के सिंह एवं सदस्य सचिव वीरेंद्र कुमार शामिल होंगे। जिला प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, आयोग की सुबह 11.30 बजे से सर्किट हाउस में

जबलपुर जिले के मंत्रीगण, सांसद, सभी विधायक, महापौर एवं जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ बैठक होगी। बैठक में नगरीय एवं पंचायती राज संस्थाओं की वित्तीय स्थिति पर सुझाव और चर्चा की जाएगी। छठवें राज्य वित्त आयोग की दोपहर 2 बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संभाग आयुक्त, जबलपुर संभाग के सभी कलेक्टर, संभाग के सभी जिला मुख्यालयों के नगर निगम आयुक्त अथवा नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के साथ बैठक होगी।

बारिश के बाद शुरू हुई धान की रोपाई, खेतों में बढ़ी किसानों की रौनक

एजेंसी

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में हुई अच्छी बारिश के बाद किसानों ने धान की रोपाई शुरू कर दी है। खेतों में पर्याप्त पानी और नमी मिलने से गांव-गांव में धान की रोपाई का कार्य तेजी से चल रहा है। खेतों में किसान और मजदूर सुबह से शाम तक रोपाई में जुटे हैं, जिससे खरीफ सीजन की गतिविधियां तेज हो गई हैं। बारिश के बाद अधिकांश किसानों ने ट्रैक्टर और रोटावेटर से खेत तैयार कर लिए हैं। जिन किसानों की धान की नर्सरी पहले से तैयार थी, उन्होंने रोपाई शुरू कर दी है। खेतों में

महिलाओं और पुरुषों की टोली धान की पौध रोपते हुए दिखाई दे रही है। किसान संदीप , प्रेम शंकर, उदय, राम रतन का कहना है कि समय पर हुई बारिश से फसल की अच्छी शुरूआत हुई है और सिंचाई पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी बचेगा। कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को मौसम के अनुसार रोपाई करने, खेतों में उचित जलस्तर बनाए रखने तथा संतुलित मात्रा में उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मानसून इसी तरह सक्रिय रहा तो इस वर्ष धान की पैदावार बेहतर होने की पूरी संभावना है। बारिश के बाद शुरू हुई धान की रोपाई से किसानों में उत्साह का माहौल है।

उत्तराखंड में भारी वर्षा की चेतावनी, कई जिलों में स्कूल बंद

एजेंसी

देहरादून, 09 जुलाई, (हि. स.)। उत्तराखंड में मानसून ने गुरुवार को रफ्तार पकड़ ली। मौसम विज्ञान विभाग ने नौ और 10 जुलाई के लिए राज्य के कई जिलों में भारी से अत्यंत भारी वर्षा, आकाशीय बिजली और तेज बारिश का ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम की गंभीर चेतावनी को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी जिलों के प्रशासन को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं, जबकि कई जिलों में कक्षा एक से 12 तक के विद्यालय एहतियातन बंद कर दिए गए हैं। राज्य में देर रात से शुरू हुई बारिश का सिलसिला सुबह तक जारी रहा। देहरादून समेत अधिकांश क्षेत्रों में आसमान घने बादलों से ढका रहा और कई स्थानों पर रुक-रुक कर तेज वर्षा हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। विभाग के अनुसार गुरुवार को देहरादून, टिहरी, पौड़ी, हरिद्वार, नैनीताल, ऊधमसिंह नगर और चम्पावत जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं

उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, अल्मोड़ा, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में येलो अलर्ट रहेगा। 10 जुलाई को पौड़ी, नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, चम्पावत और बागेश्वर में ऑरेंज तथा देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ में येलो अलर्ट जारी रहेगा। विभाग ने गुरुवार सुबह हरिद्वार और पौड़ी गढ़वाल के कुछ क्षेत्रों के लिए अगले तीन घंटे का रेड अलर्ट भी जारी किया। हरिद्वार जिले के लक्सर, मंगलौर और खानपुर तथा पौड़ी जिले के गुमखाल, दुगड्डा, कोटद्वार, देवराना और आसपास के क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा की प्रबल संभावना जताई गई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने सभी जिलाधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने, राहत एवं बचाव दलों को अलर्ट मोड पर रखने, सड़क मार्गों की लगातार निगरानी करने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इस बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-707ए पर कद्दूखाल में भू-स्खलन से एक पुराना खाली भवन क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि प्रशासन ने खतरे की आशंका को देखते हुए दो रेस्तरां, कुछ खोखे और श्रमिकों की झुग्गियों को पहले ही खाली करा दिया था। राजस्व विभाग की टीम मौके पर निगरानी कर रही है। उधर, एसजेवीएन के नाथपा झाकड़ी जलविद्युत परियोजना प्रबंधन ने बैराज और डी-सिल्टिंग टैंक की फ्लशिंग के कारण गुरुवार सुबह 10 बजे से अपराह्न तीन बजे तक चरणबद्ध तरीके से पानी छोड़े जाने की सूचना जारी की है। इसके मद्देनजर डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में जलस्तर बढ़ने की आशंका जताते हुए लोगों को नदी-नालों के समीप नहीं जाने की सलाह दी गई है। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने लोगों से मौसम विभाग की चेतावनी का गंभीरता से पालन करने, अनावश्यक यात्रा से बचने, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों और बरसाती नालों से दूर रहने तथा केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को पर्याप्त संसाधनों और मानवबल के साथ 24 घंटे सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

बालू-शराब माफिया पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई वांछित प्रकाश उपाध्याय समेत चार गिरफ्तार

एजेंसी

सीवान : जिले के दरौली थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन, पुलिस टीम पर हमला और शराब तस्करी से जुड़े मामलों में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात बालू एवं शराब माफिया प्रकाश उपाध्याय समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक देशी पिस्टल, चार कारतूस, एक बोलेरो वाहन और छह मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपितों की अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति जब्त करने की भी तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक पूरन कुमार झा ने बताया कि 28 जून 2026 को दरौली थाना क्षेत्र में अवैध बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर उग्र भीड़ ने हमला कर दिया था, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इस मामले में दर्ज कांड के अनुसंधान के दौरान अब तक आठ आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। एसपी ने बताया कि जांच में सामने आया कि दुर्घटना करने वाला ट्रैक्टर चालक त्रिभूवन राजभर वाहन मालिक वेदप्रकाश उपाध्याय उर्फ भोला और प्रकाश उपाध्याय के कहने पर अवैध बालू खनन में लगा था। उन्होंने बताया कि 7 जुलाई को गुप्त सूचना मिली कि मामले का वांछित आरोपित प्रकाश उपाध्याय अपने सहयोगियों के साथ बोलेरो से दरौली आ रहा है। सूचना मिलते ही दरौली थाना पुलिस, जिला आसूचना इकाई और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने ग्राम टड़वा स्थित बंद पड़े पुराने पेट्रोल पंप के समीप वाहन जांच शुरू की। पुलिस को देखकर बोलेरो चालक भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया गया। तलाशी के दौरान वाहन से एक देशी पिस्टल, चार कारतूस, छह मोबाइल फोन और बोलेरो बरामद किए गए।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का जबरदस्त दबाव बना रहा। जबकि एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,348.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी

500 इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,482.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत नैस्डेक 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,870.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,402.31 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान चौरतरफा बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 176.84 अंक यानी 1.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,489.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 183.58 अंक यानी 2.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,252.66 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 567.80 अंक यानी 2.28 प्रतिशत टूट कर 24,897.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशिया में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 220.46 अंक यानी 0.92 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,979 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत लुढ़क कर 3,952.49 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.11 प्रतिशत फिसल कर 7,238.57 अंक के स्तर पर पहुंचे हुए हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 170 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,048 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.74 प्रतिशत उछल कर 5,409.47 अंक के स्तर पर आ गया है। निक्केई इंडेक्स में आज जोरदार मजबूती नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 1,232.95 अंक यानी 1.85 प्रतिशत की छलांग लगा कर 68,052 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स ने भी आज जबरदस्त तेजी दिखाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,594.94 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा

न्यूज IN ब्रीफ

डब्ल्यूबीजेईई काउंसिलिंग में सभी सीटें भरने पर मुख्यमंत्री ने जताई खुशी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल संयुक्त प्रवेश परीक्षा (डब्ल्यूबीजेईई) काउंसिलिंग के पहले चरण में राज्य के सभी सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों की सीटें भर जाने पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने इसे राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों में पहली बार ऐसा हुआ है, जो इस बात का संकेत है कि राज्य के मेधावी छात्र उच्च तकनीकी शिक्षा के लिए अब पश्चिम बंगाल के संस्थानों पर पहले से अधिक भरोसा जता रहे हैं। गुरुवार सुबह अपने ट्वीट में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बदलाव राज्य के शैक्षणिक माहौल में बढ़ते विश्वास को दशार्ता है। उनके अनुसार, युवा अब उच्च तकनीकी शिक्षा के लिए अपने ही राज्य को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में लगातार सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से शिक्षण संस्थानों के आधुनिकीकरण, बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं के विकास तथा नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य राज्य से प्रतिभाओं के पलायन को रोकना और उसे ब्रेन ड्रेनस से ब्रेन गेनस में बदलना है। इसके लिए पश्चिम बंगाल में ही विश्वस्तरीय अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि राज्य के प्रतिभाशाली युवा यहीं अपना भविष्य बना सकें और प्रदेश के विकास में भागीदार बनें।

बिहार के युवक को गंगा नदी में डूबते हुए एनडीआरएफ ने बचाया

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गुरुवार की सुबह गंगा नदी के किनारे दांडी घाट पर बिहार के नालंदा से आए युवक रिशुराज का नहाते समय उसका पांव गहरे पानी में चला गया। जिसके कारण युवक डूबने लगा और उसे डूबता हुआ देखकर एनडीआरएफ के बचावकर्मी ने बिना समय गवाए हुए तत्परता दिखाते हुए नदी में छलांग लगाकर युवक को बचाया। दांडी घाट पर पिकेट और पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात 11 वीं वाहिनी एनडीआरएफ की टीम के सदस्यों ने बताया कि बचावकर्मियों ने घाट के किनारे डूबते हुए युवक को देखकर तुरंत नदी में चलांग लगा दी और उसे पड़क कर बिना देर किए सुरक्षित रेस्क्यू किया। समय पर रेस्क्यू से युवक की जान बच गई और बड़ा हादसा टल गया। युवक रिशुराज ने कहा कि एनडीआरएफ को मेरा धन्यवाद है। आज उसकी जान जाते जाते बच गई अपनी तत्परता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्ध एनडीआरएफ की सेवा कार्य को उन्होंने सुना था और आज देख भी लिया।

महाराष्ट्र के हिंगोली, परभणी और नांदेड़ में रात को भूकंप से डोली धरती

मुंबई: महाराष्ट्र के हिंगोली, परभणी और नांदेड़ में रात को भूकंप के करीब छह झटक लोगों ने महसूस किए। खबर लिखे जाने तक किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। हिंगोली के उपजिला विभागीय अधिकारी विकास माने ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में नुकसान का आकलन किया जा रहा है। हिंगोली जिले के उपजिला विभागीय अधिकारी विकास माने ने आज बताया कि वसमत तहसील में भूकंप का पहला झटका रात करीब 1:37 बजे महसूस किया गया। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.4 रही। इसके बाद दूसरा 2:15 बजे, तीसरा 2:17 बजे, चौथा 2:25 बजे और पांचवां झटका सुबह 3:23 बजे और कुछ ही देर बाद छठवां झटका महसूस किया गया। आखिर में महसूस किए गए भूकंप की तीव्रता 4.1 मापी गई है। जियोलॉजिकल डिपार्टमेंट की इन्फॉर्मेशन साइट के मुताबिक, भूकंप का सेंटर वासमत तालुका के शिरली इलाके में रहा। जिला प्रशासन हालात पर करीब से नज रखे हुए है और रेवेन्यू और डिजास्टर मैनेजमेंट डिपार्टमेंट को अलर्ट कर दिया गया है। सब-डिविजनल ऑफिसर ने लोगों से अलर्ट रहने की अपील की है और सलाह दी है कि अगर और झटके महसूस हों तो तुरंत किसी सुरक्षित खुली जगह पर चले जाएं।

नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई जारी: आईजीजी लस्सीपोरा में जब्त ड्रग्स नष्ट किए गए

पुलवामा : कश्मीर क्राइम ब्रांच की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्लू) ने एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स कश्मीर के साथ मिलकर आज माननीय न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए आईजीसी लस्सीपोरा पुलवामा में बने इंसीनरेटर (भस्मक) में जब्त नशीले पदार्थों और प्रतिबंधित चीजों को नष्ट किया। नष्ट की गई प्रतिबंधित चीजों में चरस, गांजा और साइकोट्रोपिक गोलियां शामिल थी जिन्हें एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स कश्मीर ने नशीले पदार्थों के खिलाफ अलग-अलग अभियानों के दौरान जब्त किया था। इन्हें ड्रग डिस्पोजल कमेटी की देखरेख में वैज्ञानिक और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से जलाकर नष्ट किया गया। इस नष्ट करने की प्रक्रिया की अध्यक्षता एसएसपी इकोनॉमिक ऑफेंस विंग कश्मीर और ड्रग डिस्पोजल कमेटी के चेयरमैन अब्दुल वहीद शाह ने की। इस दौरान कुबरा नजीर, अब्दुल बारी और अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि नष्ट करने की यह प्रक्रिया तय कानूनी प्रक्रियाओं और अदालत के निदेर्शों का सख्ती से पालन करते हुए पूरी की जाए। यह पहल 'नशा मुक्त भारत अभियान' के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करती है जिसका मकसद नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकना और नशीले पदार्थों के नेटवर्क को खत्म करना है। जब्त किए गए नशीले पदार्थों को समय पर और कानूनी तरीके से नष्ट करके यह कदम उठाया गया है।

सीवान के उत्पाद निरीक्षक के पांच ठिकानों पर ईओयू का छापा

सीवान : आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में सीवान के उत्पाद निरीक्षक अंकेश कुमार गोंड़ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार की सुबह ईओयू की टीम ने सीवान कार्यालय, आवास, पटना और मुंगेर के उनके पांच ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। सभी स्थानों पर पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में तलाशी अभियान चलाया गया। बिहार पुलिस मुख्यालय (आर्थिक अपराध प्रभाग) के अनुसार, विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के सत्यापन के दौरान अंकेश कुमार गोंड़ के विरुद्ध ज्ञात आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के साक्ष्य मिले। जांच में प्रथम दृष्टया उनके पास 2 करोड़ 36 लाख 31 हजार रुपये की ऐसी संपत्ति पाई गई, जो उनकी ज्ञात आय से लगभग 201.97 प्रतिशत अधिक है। इस आधार पर आर्थिक अपराध इकाई थाना में कांड संख्या-13/26 दिनांक 8 जुलाई 2026 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) सहपठित धारा 13(1)(बी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके बाद विशेष न्यायालय (निगरानी), पटना से तलाशी वारंट प्राप्त कर गुरुवार को कार्रवाई शुरू की गई। ईओयू की टीम ने दानापुर (पटना) स्थित आवास, मुंगेर के चंदनबाग स्थित पैतृक घर, लल्लूपोखर स्थित व्यावसायिक भवन, सीवान स्थित उत्पाद विभाग के कार्यालय कक्ष तथा नगर थाना क्षेत्र के कचहरी रोड स्थित किराये के आवास पर एक साथ तलाशी ली। आर्थिक अपराध इकाई के अधिकारियों ने बताया कि तलाशी की कार्रवाई जारी है।

चक्रधरपुर नगर अध्यक्ष सन्नी उरांव के पुत्र रेयांश उरांव के प्रथम जन्मोत्सव पर जुटीं कई हस्तियां

संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर नगर अध्यक्ष सन्नी उरांव के पुत्र एवं विधायक सुखराम उरांव के पोते नन्हे-मुन्ने रेयांश उरांव के प्रथम जन्मदिन के शुभ अवसर पर झारखंड सरकार के माननीय मंत्री दीपक बिरुवा, चक्रधरपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) तरुण हुरिया, मझगांव के विधायक निरल पुर्ती, जगन्नाथपुर के विधायक सोनाराम सिंकु, मनोहरपुर के विधायक जगत मांझी, खरसावां के विधायक दशरथ गागराई तथा चाईबासा नगर परिषद् अध्यक्ष नितिन प्रकाश सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित हुए। सभी अतिथियों ने रेयांश को आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि, बच्चे परिवार और समाज का भविष्य होते हैं। रेयांश का जीवन सुख, समृद्धि और संस्कारों से परिपूर्ण हो तथा वह अपने परिवार और समाज का नाम रोशन करे, यही मेरी शुभकामना है।

डीआरएम तरुण हुरिया ने कहा, रेयांश स्वस्थ, खुशहाल और सफल जीवन की ओर अग्रसर हो। परिवार को इस सुखद अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

मझगांव विधायक निरल पुर्ती ने कहा, रेयांश के जीवन में सदैव खुशियां, सफलता और अच्छे संस्कार बने रहें। ईश्वर उसे लंबी आयु और उज्ज्वल भविष्य प्रदान करें।

जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम सिंकु ने कहा, बच्चे ईश्वर का सबसे सुंदर उपहार होते हैं। रेयांश अपने माता-पिता और परिवार का गौरव बने तथा जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करे।

मनोहरपुर विधायक जगत मांझी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा, रेयांश स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारवान नागरिक बने तथा समाज और राज्य की सेवा करने योग्य बने, यही मेरी मंगलकामना है।

खरसावां विधायक दशरथ गागराई ने कहा, ईश्वर रेयांश को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुखमय जीवन प्रदान करें। वह परिवार के साथ-साथ समाज का भी नाम रोशन करे।

चाईबासा नगर परिषद् अध्यक्ष नितिन प्रकाश ने कहा, रेयांश का जीवन खुशियों, प्रेम और सफलताओं से भरा रहे। परिवार को इस शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं।

अंत में सन्नी उरांव एवं उनके परिवार ने सभी माननीय अतिथियों के स्नेह, आशीर्वाद एवं शुभकामनाओं के लिए हृदय की गहराइयों से हार्दिक आभार, धन्यवाद एवं जोहार प्रकट किया।

न्यूज IN ब्रीफ

लक्ष्य, कामयाबी और सफलता ही शिक्षा के मंदिर मधूसूदन पब्लिक स्कूल की सशक्त पहचान है

बिनय मिश्रा : लक्ष्य, दृढ़ता, लगन शिक्षकों का अथक परिश्रम और प्रयास मधूसूदन पब्लिक स्कूल की सशक्त पहचान है।

माँ सरस्वती की आराधना, कामना और प्राथर्ना विद्यार्थियों को अनुशासन और समुचित पठन पाठन के लिए प्रेरणा देने के साथ साथ विद्यालय के अध्यक्ष और निदेशक बलराज हिंद वाराणसी, प्राचार्य के नागराजू एवं शिक्षकों का विद्यार्थियों के प्रति उनकी प्रतिभा को निखारने और संवारने के दायित्व का निर्वहन भली भाँति किया जा रहा है। विद्यार्थियों का मेधावीपन उनकी अव्वलता का परिचायक है। मेधावी और अव्वल छात्रों को सम्मानित किए जाने के अवसर पर मुख्य अतिथि खुशेंद्र सोनकेशरी ने भी सराहना करते हुए विद्यालय परिवार को बेहतर बताया। इस विद्यालय के अध्ययनरत अव्वल और सफल छात्रों की सराहना की तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की। इस प्रकार से इस विद्यालय की सफलता यह बताने के लिए काफी है-

कौन कहता है कि आसमान में सुराख नहीं होता
एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारों

प्रशासन की टीम और ग्रामीणों के बीच झड़प,कई पुलिसकर्मी चोटिल

मेदिनीनगर : चियांकी में प्रशासनिक टीम और ग्रामीणों के बीच गुरुवार सुबह प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई।देखते ही देखते मामला बढ़ गया और पथराव शुरू हो गया।

बताते चलें कि हाईवे निर्माण को लेकर इलाके में 163 धारा लगाई गई थी।हालांकि ग्रामीण हाईवे निर्माण की लेकर इसका विरोध कर रहे थे।इसी दौरान यह घटना घटी।

घटना में कई ग्रामीणों के साथ-साथ कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गया।घायलों को इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार एक जैप जवान राजमोहन सिंह को सर में चोट लगी है,जबकि सहायक महिला पुलिस प्रिया कुमारी को पैर में चोट लगी है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। सूचना मिलने पर सदर थाना प्रभारी अफजाल अंसारी मौके पर पहुंचे।प्रशासन की ओर से मामले की जांच की जा रही है। हालांकि, झड़प को लेकर अधिकारियों की ओर से विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

भू-धंसान से बीसीसीएल-जेआरडीए पर पुनर्वास का दबाव

धनबाद : मानसून की शुरूआत में ही बीसीसीएल के प्रभावित क्षेत्रों में भू-धंसान की बढ़ती घटनाओं से लोग सकते में हैं। बीसीसीएल-जेआरडीए पर भी पुनर्वास कार्य को तेज करने का दबाव है। संशोधित मास्टर प्लान के तहत अबतक बड़े पैमाने पर प्रभावित आबादी को पुनर्वास में सफलता नहीं मिली है। कोयला क्षेत्र के लिए अगले तीन-चार माह बहुत कष्टकर साबित होने वाले हैं। खासकर भूमिगत आग और भू-धंसान के साथ अवैध खनन प्रभावित क्षेत्रों में हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। छाताबाद की घटना चिंताजनक है। टंडाबाड़ी की तरह छाताबाद में भी भू-धंसान प्रभावित क्षेत्र का दायरा बड़ा है और बड़ी आबादी जद में है। मानसून में भू-धंसान की घटनाएं काफी बढ़ जाती हैं। कोयलांचल में भूमिगत आग, पुरानी खदानों के रिक्त जगह और अवैध खनन के कारण जमीन पहले से खोखली है। बारिश का पानी इन दरारों से होकर जमीन के भीतर जाता है, जिससे मिट्टी और चट्टानों की पकड़ कमजोर होती है और जमीन धंसने लगती है। खोखली जमीन और पानी का रिसाव: भूमिगत कोयला खदानों में छोड़े गए पिलर जब बारिश के पानी के संपर्क में आते हैं तो वे कमजोर होकर टूटने लगते हैं। इस कारण सतह अचानक नीचे धंस जाती है। जमीन के अंदर धधक रही आग जब बारिश के पानी के संपर्क में आती है तो गैस और धुएं का दबाव बढ़ता है, जिससे ऊपरी सतह कांपने और फटने लगती है। साथ ही गोफ बनने की घटनाएं होती हैं। भारी बारिश के दबाव में आकर भू-धंसान वाले क्षेत्रों के तालाबों का पानी अचानक जमीन में पड़ी दरार से रिसकर अंदर जाता है। जैसा कि छाताबाद में हुआ। चंद घंटों में पूरा तालाब भू-धंसान में समा गया।

मार्च-2026 : धनबाद जिले के बाघमारा प्रखंड के सोनारडीह स्थित टंडाबाड़ी बस्ती कोयले के अवैध खनन के कारण हुए भू-धंसान में पूरी बस्ती प्रभावित हुई। कई घर जमींदोज हो गए। अब बस्ती खाली करा दी गई है।

अप्रैल-2026 :धनबाद के केंदुआडीह में भू-धंसान और जहरीली गैस रिसाव के कारण धनबाद-बोकारो मार्ग बुरी तरह धंस गया। सड़क के बड़े हिस्से (लगभग दो फीट से लेकर 3।5 फीट तक) नीचे बैठ गए हैं और चौड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है।

मई-2026 : निरसा के चापापुर क्षेत्र में मुख्य सड़क का 100 मीटर हिस्सा 10-12 फीट नीचे धंस गया। उक्त भू-धंसान से ग्रामीण क्षेत्र के हजारों लोगों को यातायात संबंधी परेशानी हुई है।

जुलाई-2026 : छाताबाद में भू-धंसान की घटना आश्चर्यजनक है। आबादी प्रभावित हुई। फुटबॉल ग्राउंड के पास फटी जमीन का असर निकट के तालाब पर भी पड़ा। तालाब के अंदर चौड़ी दरार में तालाब का सारा पानी समा गया।

आनंदम पाठ चक्र ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय रवींद्र काव्य पाठ दिवस

जमशेदपुर : आनंदम पाठ चक्र के तत्वावधान में ह्यअंतर्राष्ट्रीय रवींद्र काव्य पाठ दिवसह्न गरिमामय वातावरण में मनाया गया। विभिन्न भाषाओं के साहित्य प्रेमियों ने गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर की कविताओं का हिंदी, बंगाली और अंग्रेजी में पाठ किया।कार्यक्रम का संचालन अल्पना भट्टाचार्य ने किया। शुभारंभ अनिंदिता गुप्ता ने वैदिक मंत्रोच्चारण से किया।

झारखंड सरकार ने रक्तदान जागरूकता एवं निगरानी समिति गठन का दिया निर्देश

बिनय मिश्रा

रांची : झारखंड सरकार के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने राज्य के सभी विभागाध्यक्षों, प्रमंडलीय आयुक्तों, उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों एवं सिविल सर्जनों को पत्र जारी कर प्रत्येक जिले में ब्लड डोनेशन अवेयरनेस एंड मॉनिटरिंग कमेटी (इऊअटउ) के गठन का निर्देश दिया है। यह पत्र 7 जुलाई 2026 को जारी किया गया है।

मुख्य सचिव ने पत्र में कहा है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (हलृड) के अनुसार किसी भी जिले की वार्षिक रक्त आवश्यकता उसकी कुल जनसंख्या का लगभग एक प्रतिशत होती है। साथ ही, झारखंड उच्च न्यायालय के निदेशों के आलोक में राज्य के स्वास्थ्य विभाग एवं स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल (स्इळउ) को स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के माध्यम से शत-प्रतिशत रक्त संग्रह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

पत्र के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य में कुल 3,68,345 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया, जिसमें से 3,798 स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के माध्यम से 1,27,035 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। हालांकि विभिन्न जिलों में रक्त संग्रह एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के आयोजन में असमानता देखी गई है, जिसे दूर करने के लिए संस्थागत व्यवस्था विकसित करना आवश्यक है।

इसी उद्देश्य से प्रत्येक जिले में उपायुक्त की अध्यक्षता में ब्लड डोनेशन अवेयरनेस एंड मॉनिटरिंग कमेटी (इऊअटउ) का गठन किया जाएगा। यह समिति नियमित स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के आयोजन, रक्त संग्रह, उपयोग एवं भंडारण की समीक्षा करेगी तथा जिले में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समन्वित एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार करेगी।

राज्य सरकार का मानना है कि इस पहल से स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा मिलेगा, रक्त की कमी की समस्या दूर होगी तथा आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

बोकारो में दो साइबर अपराधी गिरफ्तार बैंक अधिकारी बताकर करते थे ठगी

संवाददाता

बोकारो : साइबर ठगी के खिलाफ बोकारो पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दो शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार साइबर ठगों के पास से नगद सहित कई सामान बरामद किए गए हैं। इसकी पुष्टि सिटी डीएसपी पवन कुमार ने की है।

प्रतिबिंब ऐप की मदद से हुई गिरफ्तारी

डीएसपी ने बताया कि प्रतिबिंब ऐप से मिली सूचना के आधार पर एसपी के निर्देश पर 7 जुलाई को साइबर टीम और तकनीकी शाखा ने संयुक्त छापेमारी की थी। इस दौरान पटेल नगर से रोहित कुमार दास और चास के अंबेडकरपुरी से अर्जुन कुमार दास को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों ने साइबर क्राइम में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है।

ठगी का तरीका

आरोपियों ने बताया कि वे व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर संगठित तरीके से लोगों को बैंक अधिकारी और क्रेडिट कार्ड कर्मचारी बनकर कॉल करते थे और झांसे में लेकर ठगी करते थे। गिरफ्तार साइबर ठगों की निशानदेही पर पुलिस ने साइबर अपराध में प्रयुक्त चार मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड, दो बैंक पासबुक, 9400 रुपये नगद और मोबाइल नंबरों की सूची बरामद की है।

गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश तेजः डीएसपी

मुख्यालय डीएसपी ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि इस गिरोह में अन्य लोग भी शामिल हैं। उनकी गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रहा है। ग्रुप के सभी सदस्यों की अलग-अलग जिम्मेवारी बंटी हुई थी। पुलिस का कहना है कि इस गिरोह में कई अन्य लोग भी शामिल हैं, जिनकी तलाश जारी है। इस संबंध में साइबर अपराध थाना, बोकारो में मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

झारखंड की विलुप्त होती कला-संस्कृति को बचाएगा साझा मंच

संवाददाता

धनबाद : प्रेमचंदनगर में बुधवार को जन संगठनों के साझा मंच ने झारखंड जनउत्सव 2026 की जिलास्तरीय संचालन समिति का गठन किया। यह मंच झारखंड की विलुप्त होती कला-संस्कृति को बचाने के लिए काम करेगा। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि झारखंड की पारंपरिक कला-संस्कृति पर चौतरफा प्रहार हो रहे हैं। विस्थापन के कारण जहां माटी से जुड़ी कलाएं लुप्त हो रही हैं। वहीं समाज में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और धार्मिक विभाजन पैदा कर सदियों पुरानी आपसी एकता, साझा संस्कृति व भाईचारे को तोड़ने की सोची-समझी कोशिशें हो रही हैं।

कला-संस्कृति के ऐतिहासिक, क्रांतिकारी व जुझारू लोक-इतिहास को दबाकर उसे महज व्यावसायिक मनोरंजन का साधन बनाया जा रहा है। साझा मंच ने समावेशी कला-संस्कृति और समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। झारखंड के ऐतिहासिक गौरव और सांस्कृतिक अस्मिता को बुलंद करने के उद्देश्य से झारखंड जन उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्षता करते हुए रानी मिश्रा ने बताया कि जिले में 15 नवंबर शहीद बिरसा जयंती तक कार्यक्रम चलाया जाएगा। प्रखंड और अंचल स्तर पर भी संचालन समिति गठित की जाएगी। संचालन विकास ठाकुर ने किया। 21 सदस्यीय संचालन समिति में परशुराम महतो संयोजक व भारत भूषण सह संयोजक चुने गए। मौके पर रवि सिंह, भोला नाथ राम, रामकृष्ण पासवान, स्वपन मांजी, संतोष महतो, लीलामय गोस्वामी, नौशाद अंसारी, परेश बाउरी, याशिम अंसारी, अशोक कुमार, प्रजा पासवान, गौरांगो प्रमाणिक, सूर्य कुमार सिंह, जितेंद्र निषाद आदि मौजूद थे।

हिमांशु सिंह हत्याकांडः तीन आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल, मुख्य आरोपी ने कोर्ट में किया सरेंडर

संवाददाता

जमशेदपुर : बिष्टुपुर स्थित 'डबल डाउन बार' के बाहर 27 जून की रात हुई हिमांशु सिंह की हत्या के मामले में जमशेदपुर पुलिस ने बार के मालिक और बीजेपी नेता नीरज सिंह समेत तीन आरोपियों को जेल भेज दिया। जेल भेजने से पहले बीजेपी नेता नीरज सिंह को मीडिया के सामने पेश किया गया। वहीं मुख्य आरोपी विश्वनाथ मंडल ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

एसएसपी एहतेशाम वकारिब ने बताया कि नीरज सिंह के साथ दो और आरोपियों को भी इस मामले में जेल भेजा गया है। जेल भेजने से पहले उन सभी का एमजीएम अस्पताल में मेडिकल चेकअप कराया गया। उन्होंने बताया कि नीरज सिंह के अलावा पुलिस ने ओडिशा के मयूरभंज जिले के बहलदा थाना क्षेत्र के सिजुकोला गांव के रहने वाले सुदर्शन मंडल (उर्फ लल्टू) और उसी थाना क्षेत्र के दालसोरा के रहने वाले राजेश मंडल को गिरफ्तार कर जेल भेजा है, पुलिस ने उनके पास से तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए। घटना के दिन ये दोनों आरोपी घटनास्थल पर मौजूद थे।

एसएसपी एहतेशाम वकारिब ने बताया कि 27 जून की रात बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में डबल डाउन बार के बाहर हिमांशु सिंह और उनके साथी प्रत्युष सिंह पर चापड़ से जानलेवा हमला किया गया था, जिसमें वे घायल हो गए थे। बाद में इलाज के दौरान हिमांशु सिंह की मौत हो गई। हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई थी, जिसने तकनीकी सबूतों के आधार पर कार्रवाई की और सभी सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की। बार के मालिक नीरज सिंह को राजस्थान के सीकर जिले में खाटू श्याम मंदिर के पास से गिरफ्तार किया गया और ट्रांजिट रिमांड पर जमशेदपुर लाया गया।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि ओडिशा के रहने वाले सुदर्शन मंडल (उर्फ लाल्टू) और राजेश मंडल भी इस हत्याकांड में शामिल थे। इसके बाद उन्हें ओडिशा के रायरंगपुर से गिरफ्तार किया गया। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार बीजेपी नेता नीरज सिंह का आपराधिक इतिहास रहा है। इससे पहले 1 नवंबर 2022 को कदमा थाने में मारपीट और आपराधिक धमकी देने के आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

एसएसपी ने बताया कि इस मामले के मुख्य आरोपी विश्वनाथ मंडल (उर्फ बोदरा) ने पुलिस की लगातार छापेमारी के बाद जमशेदपुर कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए जिला पुलिस ने ₹2 लाख के इनाम की घोषणा की थी। अब तक इस हत्या के मामले में कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस घटना के हर पहलू की जांच कर रही है। साक्ष्य के आधार पर अब तक की कार्रवाई की गई है। पुलिस पूछताछ के लिए सभी आरोपियों को रिमांड पर लेगी। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

सबसे अधिक राजस्व देने वाले धनबाद रेल मंडल को जोन बनाने की उठी मांग

संवाददाता

धनबाद : देश के सबसे अधिक राजस्व अर्जित करने वाले रेल मंडलों में शामिल धनबाद को रेलवे जोन का दर्जा देने की मांग एक बार फिर जोर-शोर से उठी है। धनबाद मंडल संसदीय समिति की बैठक में क्षेत्र के सांसदों ने नई ट्रेनों के परिचालन, ट्रेनों के ठहराव, मार्ग विस्तार, फेरे बढ़ाने और यात्री सुविधाओं को लेकर रेलवे अधिकारियों के समक्ष कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि धनबाद को रेलवे जोन बनाया जाता है तो न केवल रेल संचालन को मजबूती मिलेगी, बल्कि पूरे कोयलांचल के विकास को भी नई रफ्तार मिलेगी।

संसदीय समिति की बैठक में रेलवे से मुद्दों पर चर्चा

धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में आयोजित संसदीय समिति की बैठक में रेलवे से जुड़े जनहित के मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता पलामू सांसद वीडी राम ने की, जबकि पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक समेत मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान धनबाद सांसद ढुल्लु महतो ने कहा कि धनबाद रेल मंडल देश के सबसे अधिक राजस्व अर्जित करने वाले मंडलों में शामिल है और कोयला लदान में भी इसकी अहम भूमिका है। ऐसे में धनबाद को रेलवे जोन का दर्जा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने जम्मू जाने वाली ट्रेन को कटरा तक विस्तारित करने, गंगा-दामोदर एक्सप्रेस को पटना से आगे बक्सर तक चलाने, बक्सर के लिए नई ट्रेन शुरू करने तथा कई ट्रेनों के नियमित परिचालन की भी मांग रखी।

रेल विकास के मुद्दे उठाए गए

बैठक में पलामू, चतरा और गिरिडीह संसदीय क्षेत्रों से जुड़े रेल विकास के मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए। सांसदों ने नई रेल परियोजनाओं में तेजी लाने, विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव की व्यवस्था करने, मार्ग विस्तार, यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा लंबित योजनाओं को जल्द पूरा करने की मांग की। चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने अपने क्षेत्र की दो प्रमुख रेल समस्याओं को उठाया, जबकि गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने भी क्षेत्र की रेल जरूरतों को विस्तार से रखा।

रेलवे अधिकारियों ने दिया भरोसा

संसदीय समिति की बैठक का उद्देश्य सांसदों के माध्यम से जनता की रेल संबंधी समस्याओं और मांगों को सीधे रेलवे प्रशासन तक पहुंचाना तथा उनके समाधान की दिशा में पहल करना है। बैठक में रेलवे अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए भरोसा दिलाया कि जिन प्रस्तावों का समाधान मंडल स्तर पर संभव होगा, उन पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं नीति स्तर से जुड़े मामलों को रेलवे बोर्ड और संबंधित उच्च अधिकारियों के पास भेजा जाएगा। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि यात्री सुविधाओं के विस्तार और रेल सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम लगातार उठाए जाएंगे।